राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 26 मई 2023 वर्ष–6,अंक–121 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक में कांग्रेस कार्यकर्ता की बेरहमी से हत्या, पांच लोगों ने पत्थर से कुचलकर मार डाला

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक कांग्रेस कार्यकर्ता की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। पांच लोगों ने पत्थर से कुचलकर कांग्रेस कार्यकर्ता को मार डाला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक स्थानीय कांग्रेस नेता का समर्थक था।

क्या है मामला

घटना बेंगलुरु के चौडेश्वरी नगर इलाके की है। मृतक की पहचान रवि उर्फ मथिरावी (42 वर्षीय) के रूप में हुई है। बेंगलुरु के नंदिनी लेआउट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने जांच टीम का गठन कर लिया है। खबर के अनुसार पांच लोगों ने मिलकर रवि की हत्या की। पांचों आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे और रवि के सिर पर पत्थर मार-मारकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि स्थानीय कांग्रेस नेता कृष्णमूर्ति का हाल ही में जन्मदिन था। मृतक रवि, कांग्रेस नेता कृष्णमूर्ति का समर्थक था और उसने अपने नेता को शुभकामनाएं देने के लिए होर्डिंग्स भी लगवाए थे। पुलिस ने बताया कि हत्यारों ने पहले उन होर्डिंग्स को फाड़ा और उसके बाद रवि की हत्या कर दी। वहीं एक अन्य घटना में बेंगलुरु के बोम्मनहल्ली इलाके में एक 28 वर्षीय युवक की एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद ताहिर हुसैन के रूप में हुई है। खबर के अनुसार, पुलिस की एक टीम हत्या की कोशिश के एक मामले में ताहिर को पकड़ने गई थी। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उसे इमारत से धक्का दिया। वहीं पुलिस का कहना है कि पुलिस को देखकर ताहिर ने भागने की कोशिश की और इसी दौरान वह गिर गया।

तीन देशों की यात्रा कर दिल्ली लौटे पीएम मोदी:बोले- ऑस्ट्रेलिया के भारतीय इवेंट में वहां का पक्ष-विपक्ष साथ बैठा, ये लोकतंत्र की आत्मा है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के बाद गुरुवार सुबह दिल्ली लौट आए। पालम एयरपोर्ट पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया। यहां उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा क्या होती है, लोकतंत्र का सामर्थ्य क्या है, यह ऑस्ट्रेलिया में हुए भारतीय इवेंट को देखकर समझा जा सकता है। वे बोले कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के बीच जो समारोह हुआ, उसमें वहां के PM, पूर्व PM, सत्ता पक्ष के सांसद और पूरा विपक्ष शामिल हुआ था। ये वहां का लोकतंत्र है। इस इवेंट में सत्ता और विपक्ष दोनों ने भारत के प्रतिनिधि को सम्मान दिया।

दरअसल, बुधवार को कांग्रेस समेत 19 दलों ने देश की नई पार्लियामेंट बिल्डिंग के उद्घाटन के बायकॉट का ऐलान किया था। इन पार्टियों ने कहा कि जब लोकतंत्र की आत्मा ही निकाल ली गई है, तो नई इमारत की कोई कीमत नजर नहीं आती हैं। PM के भाषण को इस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

नई संसद के इनॉग्रेशन का बायकॉट कर रहे विपक्ष ने कहा- लोकतंत्र की आत्मा सोख ली गई

पीएम मोदी 19 मई से तीन देशों के दौरे पर थे

पीएम मोदी 19 मई से तीन देशों- जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया की विजिट पर थे। जापान में वे जी20 और क्वॉड बैठकों में शामिल हुए। इसके बाद वे पापुआ न्यू गिनी गए जहां पहुंचने पर वहां के राष्ट्रपति ने पैर छूकर उनका स्वागत किया। 22 मई को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे जहां उन्होंने क्क्रएंथनी अल्बनीज से मुलाकात की और भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में शामिल हुए।

मैं दुनिया के देशों में जाकर दुनिया के महापुरुषों को मिलकर हिन्दुस्तान के सामर्थ्य की बात करता हूं। देश के युवा पीढ़ी की चर्चा करता हूं। अवसर मिलने पर भारत के युवा कैसा पराक्रम कर दिखाते हैं, ये दुनिया को बताता हूं। ये बताते समय मैं गर्व महसूस करता हूं। मैं आंखें नीचे नहीं करता, आंखें मिलाकर बात करता हूं।

यह सामर्थ्य इसलिए है कि आपने

देश में पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाई है। ऐसी सरकार का प्रतिनिधि जब कुछ कहता है तो दुनिया विश्वास करती है कि यह अकेला नहीं बोल रहा 140 करोड़ लोग बोल रहे हैं। नड्डा जी कह रहे थे कि मोदी जो को प्यार करने वाले लोग यहां आए हैं, ये मां भारती को प्यार करने वाले लोग हैं।

मैं आप लोगों से भी यही कहूंगा कि हिंदुस्तान की संस्कृति, महान परंपरा के बारे में बोलते हुए कभी भी गुलामी वाली मानसिकता में डूब मत जाना, हिम्मत के साथ बात कीजिए। पूरी दुनिया सुनने को आतुर है। जब मैं यह कहता हूं कि हमारे तीर्थ क्षेत्रों पर हमले स्वीकार नहीं हैं तो दुनिया भी मेरे साथ दिखती है।

भारत की दुनिया में सही पहचान बने, भारत की दुनिया में जय जयकार हो, तो हिन्दुस्तानी इतनी खुशी से भर जाता है कि रात को 3 बजे यहां पहुंच जाता है। इस यात्रा का समय ज्यादा नहीं था, लेकिन जितना समय मुझे मिला उसका पल-पल मैंने देश की बात करने में, देश की भलाई के लिए निर्णय करने में पूरी तरह से उपयोग किया।

एक बार मैं लंदन दौरे पर गया था। जब मैं क्वीन एलिजाबेथ से मिला था तो वे मुझे अपने घर ले गईं। खाना खाते समय वे अपनी कुर्सी से उठकर मेरे पास आईं और एक एक मां की तरह उन्होंने मुझे बताया कि मैंने आपके लिए स्पेशल वेज खाना बनवाया है। उन्होंने मुझे महात्मा गांधी का दिया रूमाल दिखाया। हाथ से बना वो रूमाल देखकर मुझे अहसास हुआ कि भारत की बनी हर चीज की कितनी अहमियत है।

अपने दौरे के आखिरी दिन बुधवार को उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई PM एंथनी अल्बनीज के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा- अलगाववादी तत्वों की गतिविधियों पर हमने पहले भी बात की थी। ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं, जिससे आपसी रिश्तों को नुकसान हो। क्क्र अल्बनीज ने भरोसा दिलाया कि सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मोदी बोले- ये मेरी अल्बनीज से एक साल में छठवीं मुलाकात है। इससे साबित होता है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया के संबंध कितने गहरे हैं। क्रिकेट की भाषा में कहें तो दोनों देशों के रिश्ते ञ्ज-20 मोड में आ गए हैं। मोदी ने अल्बनीज को इस साल भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए न्योता दिया।

सिडनी हार्बर और ओपेरा हाउस का दौरा किया

बुधवार को ही मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की बिजनेस कम्युनिटी से बातचीत की। मोदी और अल्बनीज सिडनी हार्बर और ओपेरा हाउस भी गए। सिडनी हार्बर के एक छोर पर भारत तो दूसरे पर ऑस्ट्रेलिया के नेशनल फ्लैग नजर आए। इसके बाद मोदी डेलिगेशन के साथ स्टेट डिनर के लिए निकले।

दिल्ली-नोएडा सफर होगा आसान, इस लाइन पर 8 नये मेट्रो स्टेशन

नई दिल्ली। बॉटनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक आने वाली मेट्रो लाइन पर प्रस्तावित आठ मेट्रो स्टेशन की लोकेशन तय कर दी गई है। सेक्टर-96 में बन रहे नोएडा प्राधिकरण के नए प्रशासनिक कार्यालय के सामने मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। यह एक्वा लाइन का एक्सटेंशन रूट होगा। इससे नोएडा-दिल्ली से ग्रेनो आने-जाने वालों को सहूलियत होगी। अभी नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन एक्वा लाइन को संचालित कर रहा है। दिल्ली से ब्लू या मजेंटा लाइन से आने वालों को ब्लू लाइन के सेक्टर-52 स्टेशन पर उतरना पड़ता है। यहां से पैदल या ई-रिक्शा से लोग एक्वा लाइन के सेक्टर-51 स्टेशन पहुंचते हैं। इस लाइन पर करीब 1800 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। इसमें 20 प्रतिशत केंद्र और 20 प्रतिशत राशि राज्य सरकार देगी।

इन जगहों पर बनेंगे मेट्रो स्टेशन

सेक्टर- 44 : एफ ब्लॉक पार्क के सामने

सेक्टर- 96 : नोएडा प्राधिकरण के बन रहे प्रशासनिक कार्यालय के सामने

सेक्टर - 105 : हाजीपुर अंडरपास के पास ग्रेटर नोएडा की ओर करीब 100 मीटर की दूरी पर

सेक्टर - 38 ए : यह स्टेशन अभी बॉटनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन से सटाकर बनाया जाएगा

सेक्टर - 97 : यूनिटेक बिल्डिंग से ग्रेटर नोएडा की ओर करीब 150 मीटर की दूरी पर

सेक्टर - 108 : जेपी फ्लाईओवर (सेक्टर-82)फ्लाईओवर से पहले उतरने वाले स्लिप रोड के पास

सेक्टर - 93 : पाशर्वनाथ प्रेस्टीज और एल्डिको सोसायटी के बीच में

अनुमान लगाया जा रहा है कि इस मेट्रो लाइन पर करीब 1800 करोड़ रुपये खर्च आएंगे। योजना के मुताबिक, बॉटनिकल गार्डन और सेक्टर - 44 के मेट्रो स्टेशन को छोड़ दें बाकी सभी छह स्टेशन एक्सप्रेसवे के पास सेक्टर रोड पर बनाए जाएंगे। एक्सप्रेसवे और सर्विस रोड को जोड़ते हुए एक्सप्रेसवे के दूसरे हिस्से को जोड़ने के लिए फुटओवर ब्रिज भी बनाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के पास, जो छह स्टेशन बनाए जाएंगे,

बाथरूम में गिर पड़े जेल में बंद सत्येंद्र जैन, अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जेल के बाथरूम में सुबह गिरकर घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बाथरूम में फिसलने से वह गिर पड़े। इसके बाद उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया है। यहां उनके टेस्ट कराए जा रहे हैं। सत्येंद्र जैन तिहाड़ के जेल नंबर 7 में बंद हैं। सूत्रों के मुताबिक, सुबह 6 बजे वह मेडिकल इंस्पेक्शन रूम के बाथरूम गए थे। तभी वह गिर पड़े। इससे पहले भी सत्येंद्र जैन बाथरूम में गिरे थे और उन्हें रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई थी। एक हफ्ते में दूसरी बार सत्येंद्र जैन को अस्पताल जाना पड़ा है। अस्पताल में एहतियात के तौर पर उनके सारे टेस्ट करवाए जा रहे हैं। सत्येंद्र जैन की स्पाइन की सर्जरी भी होनी है। स्पाइन में प्रॉबलम की वजह से वो कमर में बेल्ट पहनते हैं। डीजी जेल संजय

बेनिवाल ने कहा कि जैन सेंट्रल के मेडिकल इंस्पेक्शन रूम के बाथरूम में गए थे। कमजोरी की वजह से यहां निगरानी में रखे गए जैन बाथरूप में फिसलकर गिर पड़े। उन्होंने कहा, डॉक्टरों ने उनकी जांच की। जहां उन्होंने उसकी वाइटल नॉर्मल पाई गई। बाद में उन्हें दीन दयाल उपाध्याय हॉस्पिटल रेफर किया गया। उन्होंने पीठ, बाएं पैर और कंधे में दर्द की शिकायत की है। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी स्थिति स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं।

दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन पिछले साल मई से ही तिहाड़ जेल में बंद हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में उन्हें गिरफ्तार किया था। हाल ही में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान उनके वकील ने कोर्ट में कहा था कि सत्येंद्र जैन का वजन 35 किलो घट गया है और वह कंकाल की तरह हो गए हैं। सोमवार को जब सत्येंद्र जैन को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था तो उनकी एक तस्वीर सामने आई थी जिसमें वह काफी कमजोर नजर आ रहे थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के सभी नेताओं ने इस तस्वीर के सहारे केंद्र सरकार पर निशाना साधा। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जैन को जुल्म और अत्याचार का शिकार बताया।

जम्मू कश्मीर में पेड़ गिरने से चार लोगों की मौत

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में पेड़ गिरने से गुरुवार तड़के एक घुमंतू परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी, जिसमें एक दंपति भी शामिल हैं।

किश्तवाड़ जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) खलील पोसवाल ने कहा, ÷आज तड़के करीब तीन बजे पेड़ (कैल का पेड़) गिरने से खानाबदोश (घुमंतू) परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई।÷ उन्होंने कहा कि पेड़ भारी बारिश और आंधी के कारण गिर गया।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान नज़ीर अहमद

(55), उनकी पत्नी अंजारा (42), बहू शमा बानो (18) और शकीला (36) के रूप में की गई है। सभी कठुआ जिले के बरवाल घट्टी निवासी थे।

एसएसपी ने कहा कि दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गयी है। कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है और विस्तृत जानाकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

आप को मिला 6 दलों का साथ, पर कांग्रेस ने नहीं बढ़ाया हाथ; क्यों अरविंद केजरीवाल से बच रही पार्टी?

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल इन दिनों देशव्यापी दौरे पर हैं। इस दौरान वह सभी विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं और पिछले सप्ताह जारी किए गए केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटा रहे हैं। केंद्र सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश को पलट दिया है, जिसमें पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा था कि दिल्ली में नौकरशाहों के तबादले का अधिकार चुनी हुई सरकार का है और एलजी उसे मानने को बाध्य हैं। इस फैसले के बाद मोदी सरकार ने दिल्ली में अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर एक अध्यादेश जारी किया, जिसमें अफसरों के तबादले का अधिकार केंद्र सरकार के पास रखा गया

है।

केजरीवाल इसी अध्यादेश को संसद से पारित होने से रोकने के लिए विपक्षी दलों से मदद की गुहार लगा रहे हैं। वह अब तक शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। हालांकि, देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई स्टैंड नहीं लिया है। कांग्रेस की विभिन्न राज्य इकाइयों के कई नेता इस मुद्दे पर आप को राहत देने के मूड में कतई नहीं हैं। वे खुलकर इस मुद्दे पर केजरीवाल का विरोध कर रहे हैं।

आप ने 10 वर्षों में लड़े 20 विधानसभा चुनाव

आप के प्रति कांग्रेसियों की खुन्नस क्यों हैं? इसका जवाब यह है कि आप ने कांग्रेस के जनाधार को खत्म कर ही बड़े पैमाने पर अपनी राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाई है। आप ने सबसे पहले 2013 में दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ा था। पिछले 10 वर्षों में आप 20 राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़ चुकी है लेकिन उसे केवल दो राज्यों के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल हुई है, जबकि दो में अच्छा प्रदर्शन किया है। ये राज्य हैं- दिल्ली, पंजाब, गोवा और गुजरात।

मायूस नहीं करेगा मॉनसून, तय समय पर लाएगा बारिश का तोहफा

नई दिल्ली। मॉनसून 2023 की रफ्तार और मौसम की गतिविधियों से संकेत मिल रहे हैं कि देश को बारिश का तोहफा बगैर देरी के तय समय पर ही मिल सकता है। मौसम के जानकार इस बात के संकेत दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि मॉनसून के लिए स्थितियां अनुकूल बन रही हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि जून के पहले सप्ताह में ही मॉनसून केरल में दस्तक दे देगा। एक अखबार से बातचीत में स्कायमेट के अध्यक्ष जीपी शर्मा बताते हैं कि 19 मई को ही अंडमान सागर के दक्षिणी हिस्सों में दक्षिण पश्चिम मॉनसून ने दस्तक दे दी थी। हालांकि, उन्होंने बताया कि अब तक इसमें आगे कोई प्रगति नहीं हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी IMD के डीएस पई ने कहा, हिंद महासागर के उत्तर पश्चिम में क्रॉस इक्वेटोरियल फ्लो या प्रवाह मजबूत होने लगा है...। उन्होंने कहा, अगले दो तीन दिनों में बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एंड निकोबार आईलैंड्स में मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए स्थिति अनुकूल होती नजर आ रही है। उन्होंने संभावनाएं जताई हैं कि दक्षिण अरब सागर में मॉनसून को स्थापित होने में करीब एक सप्ताह का समय लगेगा।

क्या कह रहे हैं जानकार

पई का कहना है कि 4 जून के

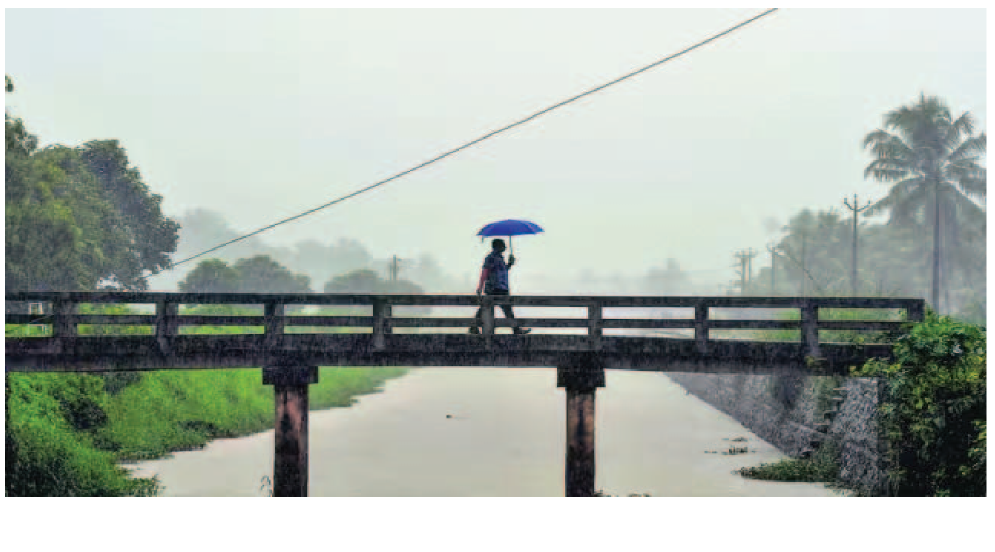

आसपास ही मॉनसून केरल पहुंच सकेगा। वहीं, शर्मा का कहना है कि केरल में मॉनसून पहुंचने को लेकर अनुकूल स्थितियां बन रही हैं। उन्होंने कहा कि मॉनसून की गतिविधियों में एक सप्ताह में काफी फर्क आया है। कहा जा रहा है कि क्रॉस-इक्वेटोरियल फ्लो जैसे कारणों के चलते हालात फिर मॉनसून के पक्ष में आ गए हैं। उन्होंने कहा, केरल में मॉनसून आने में देरी की संभावनाएं कम हैं और अनुमानित तारीख 7 जून है।

IMD के शर्मा ने कहा, फिलहाल, पश्चिम प्रशांत में मौजूद ताइफून 30 मई तक जापान सागर से दूर जाने के आसार हैं। इससे केरल में मॉनसून के आने की स्थितियां तैयार होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ये ताइफून काफी दूर हैं और बंगाल की खाड़ी के ऊपर हवाओं की गतिविधियों को प्रभावित कर सकते हैं, जो मॉनसून के बहाव पर असर डालेगा।

जानकारों का यह भी कहना है कि हिंद महासागर मॉनसून की हवाएं प्रभावित हो रही हैं, जिसके चलते केरल में मॉनसून आने में देर हो सकती है। उन्होंने कहा कि पूर्वानुमान के अनुसार, जून की शुरुआत में हवाएं फिर से तैयार होंगी और मॉनसून 5 से 7 जून के बीच केरल पहुंच सकता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सकारात्मक पहल

श्रीनगर में पहली विश्वस्तरीय बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। प्रशंसनीय इसलिए, क्योंकि श्रीनगर में ऐसे किसी महत्वपूर्ण आयोजन की कल्पना कुछ वर्ष पहले तक की नहीं जा सकती थी और अनुकरणीय इसलिए कि श्रीनगर में ऐसे अन्य आयोजनों को इससे प्रेरणा मिलेगी। जी20 पर्यटन समूह की बैठक के आयोजन की महीनों से प्रतीक्षा थी। भारत को जब जी20 की अध्यक्षता मिली, तब इसे एक बड़े अवसर के रूप में देखा गया और इन दिनों भारत अपनी इस हैसियत का उचित ही भरपूर इस्तेमाल करने में लगा है। देश के विभिन्न शहरों में आयोजन हो रहे हैं, ऐसे में, भारत सरकार ने श्रीनगर में भी एक आयोजन रखकर एक सकारात्मक पहल की। इसमें कोई शक नहीं है कि आतंकवाद के बुरे दिनों में भी कश्मीर पर्यटकों की खास पसंद रहा है और वस्तुत- कोई भी समय ऐसा नहीं रहा, जब वहां पर्यटन पूरी तरह से रुक गया हो। कोरोना से उबरने के बाद कश्मीर में पर्यटक फिर लौट आए हैं और आने वाले दिनों में उनकी संख्या में बहुत बढ़ोतरी से इनकार नहीं किया जा सकता। जी20 की तीन दिवसीय बैठक से भी यहां पर्यटन को बल मिलेगा। जी20 के सदस्य देश और अन्य आमंत्रित देशों के करीब सौ प्रतिनिधि श्रीनगर पहुंचे। भारतीय संस्कृति को देखने और कश्मीर की खूबसूरती निहारने के बाद ये प्रतिनिधि शायद ही कभी भूल पाएंगे। कश्मीर में अमन-चैन लाने की कोशिशें लगातार जारी हैं और उनके परिणाम भी लगातार दिख रहे हैं। भारत सरकार ने पूरी सुरक्षा के साथ ऐसे बड़े आयोजन को सफल बनाया है, तो यह हर लिहाज से जरूरी भी था। कश्मीर ऐसी जगह नहीं है, जहां पर सुरक्षा से जरा भी समझौता किया जाए। आतंकवादियों का दुस्साहस कम हुआ है, लेकिन कश्मीर की जो भौगोलिक-राजनीतिक स्थिति है, उसमें वहां अलगाववाद को अनेक छोरों से बढ़ावा मिल रहा है। जी20 का आयोजन देखकर पाकिस्तान पर क्या बीती होगी, इसे हम समझ सकते हैं और चीन, तुर्की इत्यादि देशों का रवैया भी चौंकाता नहीं है। लेकिन मिस्र और सऊदी अरब जैसे देशों के बारे में भारत सरकार को अलग से सोचना चाहिए। सऊदी अरब क्या हमें धार्मिक सद्भाव का कोई संदेश दे सकता है? वहां कुल 3.6 करोड़ मुसलमान रहते हैं, जबकि भारत के एक राज्य उत्तर प्रदेश में ही अकेले लगभग चार करोड़ रहते हैं। सऊदी अरब को कश्मीर में रहने वाले करीब 85 लाख मुस्लिमों की कथित चिंता है, पर वह बाकी भारत में रहने वाले 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिमों के बारे में जरा भी नहीं सोच रहा है? कश्मीर को लेकर दुनिया के जिन देशों में कूटनीतिक नासमझी है, उन्हें समझाने की जरूरत है। भारतीय कूटनीतिज्ञों को कश्मीर और देश के व्यापक हित में अभी भी एक लंबा सफर तय करना है, पर चंद देशों के बहिष्कार की वजह से श्रीनगर की बैठक को कमतर नहीं आंका जा सकता। कुछ देशों की बुनियाद ही शायद भारत विरोध पर टिकी है। लोकतांत्रिक भारत जब सद्भावी समावेशी विकास का झंडा बुलंद किए आगे बढ़ेगा, तो ऐसे इक्का-दुक्का देश वैसे ही किनारे हो जाएंगे। कुल मिलाकर, भारत के लिए यह एक नई शुरुआत है, कश्मीर को ऐसे और भी आयोजनों की जरूरत है। भारत की सफलता ही इसमें है कि वह कश्मीर को दहशतगर्दी के पुराने दौर में न लौटने दे। पर्यटन की असीम संभावनाओं वाले इस प्रदेश के लोगों को भी अब अपना व्यापक हित देखना और समझना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मौत के ताबूत बने मिग 21 लड़ाकू विमान

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

भारतीय वायु सेना मिग-21 लड़ाकू विमानों को मजबूरी में उड़ा रही थी। भारतीय वायु सेना को पाकिस्तान व चीन से दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने के लिए लड़ाकू विमानों की 42 स्काड्रन की जरूरत है। मगर भारत के पास अभी 32 स्काड्रन ही मौजूद है। जिनमें भी तीन स्काड्रन मिग-21 के शामिल है। भारतीय वायु सेना के पास लड़ाकू विमानों की कमी का मुख्य कारण लंबे समय से लड़ाकू विमानों की खरीद नहीं करना है।

भारतीय वायुसेना ने लड़ाकू विमान मिग-21 के पूरे बेड़े की उड़ान पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी है। लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए एयरफोर्स ने फैसला लिया है। राजस्थान में सूरतगढ़ के पास 8 मई को एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एक मिग-21 एयरक्राफ्ट क्रैश होकर आबादी क्षेत्र के मकानों पर गिर गया था। उस हादसे में 3 महिलाओं की जान चली गई थी। वायु सेना ने मिग - 21 लड़ाकू विमानों के पूरे बेड़े को उड़ान भरने से तब तक के लिए रोक दिया है जब तक कि राजस्थान में हुए हादसे की जांच पूरी नहीं हो जाती है।

मौत के उड़ते ताबूत कहलाने वाले मिग 21 लड़ाकू विमान के आये दिन दुर्घटनाग्रस्त होते रहने के कारण उन्हे फ्लाइंग कॉफिन और विडो मेकर कहा जाने लगा है। हैं। इस कारण इनको स्थायी रूप से सेना से बाहर करने की मांग होती रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडियन एयरफोर्स के 400 से ज्यादा मिग-21 विमान पिछले 60 सालों में दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। जिसमें 200 से अधिक पायलटों और 63 नागरिकों की जान जा चुकी है। अभी वायु सेना के पास मिग-21 बाइसन की तीन स्काड्रन हैं। जिन्हे 2025 की शुरुआत में चरणबद्ध तरीके से वायु सेना से हटाया जाएगा। मिग-21 को 1960 के दशक में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। एक जमाने में ये दुनिया के सबसे ताकतवर फाइटर प्लेनो में शामिल था। इसकी तेज रफ्तार और मारक क्षमता के आगे अमेरिका जैसे देश भी डरते थे। ये इकलौता ऐसा फाइटर प्लेन है जिसे दुनियाभर के 60 से ज्यादा देशों में इस्तेमाल किया गया है। अब तक इस लड़ाकू विमान की 11 हजार 496 यूनिट्स का निर्माण किया जा चुका है। मिग-21 विमानन इतिहास का पहला सुपरसोनिक जेट विमान है। सत्तर के दशक में यह दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाला फाइटर प्लेन था। मिग-21 वही फाइटर प्लेन है जिससे भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन ने पाकिस्तान के लड़ाकू विमान एफ-16 को मार गिराया था। हालांकि उनका मिग 21 विमान भी क्रेश कर गया था। इसके अलावा पाकिस्तान के साथ हुए 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में भी मिग-21 ने अहम भूमिका निभाई थी। मिग-21 बाइसन फाइटर जैट का इस्तेमाल अब केवल इंटरसेप्टर के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। इनका उपयोग लड़ाकू जेट के रूप में सीमित भूमिका के साथ ज्यादातर प्रशिक्षण अभ्यास के लिए किया जाता हैं। ये विमान एयरक्राफ्ट शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज एयरक्राफ्ट मिसाइलों से हमला करने में सक्षम है। इस लड़ाकू विमान की स्पीड 2229 किलोमीटर प्रति घंटा की है।

मिग 21 लडाकू विमान को बनाने वाली सोवियत वायु सेना ने इसे 1985 में ही अपनी वायु सेना से हटा दिया था। 1985 के बाद बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने भी इसे सेवा से हटा दिया था। भारत में भी 1990 के दशक के मध्य में इनकी सेवानिवृत्ति की अवधि पूरी हो गई थी। इसके बावजूद इनका उन्नयन किया जाता रहा है। अक्टूबर 2014 में तत्कालीन वायु सेना प्रमुख ने कहा था कि पुराने विमानों को सेवा से हटाने में देरी से भारत की सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि वायु सेना बेड़े के कुछ विमान बहुत पुराने हो गये हैं।

नए लड़ाकू विमानों को शामिल करने में देरी के कारण भारतीय वायु सेना को मिग 21 विमानो को लंबे समय तक सेवा में रखना पड़ा। देरी का मुख्य कारण वायुसेना को भारत के आसमान की रक्षा के लिए एक निश्चित संख्या में स्काड्रन ताकत बनाए रखने की कमी का सामना करना पड़ रहा है। स्वदेशी तेजस कार्यक्रम में देरी, राफेल सौदे को लेकर राजनीतिक विवाद और धीमी गति वाली खरीद प्रक्रिया के कारण ही मिग 21 को सामान्य से अधिक समय तक सेवा में रखना पड़ रहा है।

जुलाई 2022 में भारतीय वायु सेना ने शेष सभी मिग - 21 लड़ाकू स्काड्रन को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए तीन साल की कार्य योजना तैयार की थी। जिसमें से एक स्काड्रन सितंबर में सेवानिवृत्त होने वाली है। एक समय मिग-21 विमान अपने सभी संस्करणों के साथ भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े की रीढ़ बना था। वहीं वायुसेना में दुर्घटनाओं की संख्या भी मिग 21 विमानों में सबसे अधिक थी।

भारतीय वायु सेना मिग-21 लड़ाकू विमानों को मजबूरी में उड़ा रही थी। भारतीय वायु सेना को पाकिस्तान व चीन से दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने के लिए लड़ाकू विमानों की 42 स्काड्रन की जरूरत है। मगर भारत के पास अभी 32 स्काड्रन ही मौजूद है। जिनमें भी तीन स्काड्रन मिग-21 के शामिल है। भारतीय वायु सेना के पास लड़ाकू विमानों की कमी का मुख्य कारण लंबे समय से लड़ाकू विमानों की खरीद नहीं करना है। 2016 में फ्रांस से दो स्काड्रन विमानों की खरीद की गई थी।

भारत में निर्मित स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस की 83 यूनिट खरीदने के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को आर्डर दिए गए हैं। जिनकी आपूर्ति में अभी समय लगेगा। ऐसे में वायु सेना को तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लड़ाकू विमानों की जरूरत है। भारत ने 114 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए वैश्विक स्तर पर बोलियां आमंत्रित की गयी है। इन मल्टीरोल लड़ाकू विमानों की खरीद पर भारत सरकार करीबन एक लाख करोड रुपयों से अधिक की राशि खर्च करेगी। अमेरिकी, फ्रांसीसी और स्वीडिश विमान निर्माता कंपनियां इस सौदे को हासिल करने के लिए दौड़ में शामिल है। अगले साल से स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस वायु सेना को मिलने शुरू हो जाएंगे। जिस से उम्मीद है कि आने वाले चार-पांच वर्षों में भारतीय वायु सेना के पास 40 से अधिक स्काड्रन हो जाएगी।

हमारे देश में वायु सेना के लिए विमानों व हेलीकॉप्टरों में खरीद की प्रक्रिया धीमी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व में घोषणा की थी कि विभिन्न दुर्घटनाओं में क्षतिग्रस्त हुए 12 सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान और 21 मिग 29 विमानों को जल्दी ही खरीद कर वायुसेना को दिया जाएगा ताकि वायुसेना के बेड़े में उनकी संख्या पूर्ववत हो जाए। मगर यह सौदा भी अभी बातचीत के स्तर पर ही चल रहा है। यदि समय पर उक्त सौदा पूरा हो जाता तो भारतीय वायु सेना को 33 लड़ाकू विमान और मिल जाते।

मिग-21 लड़ाकू विमानों की उड़ानों पर रोक लगाकर वायु सेना ने एक सराहनीय फैसला लिया है। आए दिन मिग-21 लड़ाकू विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने से जहां पायलटों की तो जान जा ही रही थी उसके साथ ही आमजन की भी हानि होने की संभावना बनी रहती थी। जिस तरह से राजस्थान के सूरतगढ़ के पास एक गांव में मकान पर मिग-21 विमान गिरा जिससे 3 महिलाओं की मौत हो गई थी। वह तो गनीमत थी कि पायलट ने घनी आबादी से दूर विमान को ले जाने का प्रयास किया था। जिसकी बदौलत बड़ी दुर्घटना होने से रह गई थी। ऐसी दुर्घटनाओं के चलते जहां तक संभव हो मिग-21 को जमीन पर ही रखा जाए तो देश व सेना के लिए अच्छा होगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

चीन के दबदबे को खत्म करने की भारतीय पहल

एन.के. सोमानी

प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित 60 लाख की आबादी वाला छोटा-सा द्वीप पापुआ न्यू गिनी इन दिनों वैश्विक परिदृश्य में चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। चर्चा के दो बड़े कारण रहे हैं। पहला, विविधताओं से भरपूर इस छोटे से द्वीपीय देश ने पिछले दिनों फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कॉ-ऑपरेशन (एफआईपीसीआई) के शिखर सम्मेलन का आयोजन कर विश्व समुदाय के समक्ष अपनी नेतृत्व क्षमता का सफल प्रदर्शन किया। इस शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 14 राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। चर्चा का दूसरा बड़ा कारण पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे द्वार एयरपोर्ट पर भारत के प्रधानमंत्री के स्वागत के समय पांव छूने की तस्वीरें बनीं। संभवत- यह पहला अवसर है, जब किसी एक देश के प्रधानमंत्री ने स्वागत की रस्म अदायगी के दौरान किसी दूसरे देश के प्रधानमंत्री के पांव छुए हों। सामान्य तौर पर अतिथियों के स्वागत की औपचारिकता हाथ जोड़कर, हाथ मिलाकर या गले लगाकर पूरी की जाती है। मारापे ने पीएम मोदी के पांव छूकर भारत और भारत के प्रधानमंत्री के प्रति जो सम्मान और शिष्टाचार प्रकट किया है, उससे चीन की पेशानी पर बल पड़ते दिख रहे हैं। पापुआ न्यू गिनी इंडोनेशिया के समीप प्रशांत महासागर क्षेत्र में एक स्वतंत्र राष्ट्र है, जो दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर क्षेत्र में द्वीपों का एक समूह है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान यह क्षेत्र भयानक जंग का मैदान बना हुआ था। यहां सोने, तांबे और अन्य खनिज संसाधनों के बड़े भंडार हैं। विशिष्ट भौगोलिक अवस्थिति के कारण यह क्षेत्र रणनीतिक दृष्टि से भी खास अहमियत रखता है। ऑस्ट्रेलिया के उत्तर में स्थित होने के कारण सामरिक रूप से पापुआ न्यू गिनी महत्वपूर्ण द्वीप माना जाता है। कई दशकों से यह द्वीप अमेरिका, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम जैसी बड़ी महाशक्तियों के लिए दिलचस्पी का कारण बना रहा है। लेकिन अब एक-डेढ़ दशक से अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों ने पापुआ न्यू गिनी को अपनी विदेश नीति में हाशिये पर धकेल दिया। चीन की नजरें पहले से ही इस द्वीप पर थीं। उसे अपने विस्तारवादी मंसूबों को साधने और रणनीतिक रूप से खुद को मजबूत करने का स्पेस मिल गया। वह यहां सैन्य और राजनयिक प्रभाव को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। उसने अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत यहां निवेश कर रखा है। उसकी नजर पापुआ न्यू गिनी के संसाधनों पर भी है। पिछले साल नवंबर में बैंकॉक में पापुआ न्यू गिनी के पीएम के साथ बैठक में चीनी राष्ट्रपति ने मारापे को अपना अच्छा दोस्त और अच्छा भाई बताते हुए कई क्षेत्रों में सहयोग का आश्वासन दिया था। शी ने उन्हें चीन आने का न्योता भी दिया। संक्षेप में कहें तो 1980 के दशक में चीन-पापुआ न्यू गिनी के बीच शुरू हुआ आर्थिक संबंधों का यह सिलसिला अब सुरक्षा और रणनीतिक मसलों तक पहुंच गया है। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते में भी बंधे हुए हैं, जो दोनों के बीच करीबी संबंधों को दिखाता है। चीन का बढ़ता प्रभाव क्षेत्र न केवल ऑस्ट्रेलिया बल्कि पूरे इंडो पैसिफिक रीजन के लिए घातक हो सकता है। खासकर क्वाड (भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका) देशों के लिए। यही वजह है कि अब अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ भारत ने भी अपनी विदेश नीति में प्रशांत द्वीप के देशों के साथ संबंध बढ़ाने की शुरुआत की है। वहीं भारत ने 1991 में पीवी नरसिम्हा राव सरकार के समय शुरू की गई लुक ईस्ट पॉलिसी को 2014 में एक्ट ईस्ट पॉलिसी में बदल दिया है। फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कॉ-ऑपरेशन (एफआईपीसीआई) को भी इसी से जुड़ी पहल के तौर पर देखा जा रहा है। एफआईपीसीआई का गठन 2014 में पीएम मोदी की फिजी यात्रा के दौरान किया गया था। इसमें 14 देशों के नेता भाग लेते हैं, जिनमें कुक आइलैंड्स, फिजी, किरिबाती, मार्शल आइलैंड्स, माइक्रोनेशिया, नौरू, नीयू, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी, समोआ, सोलोमन आइलैंड्स, टोंगा, तुवालू और वानुआतु शामिल हैं। जहां तक भारत-पापुआ न्यू गिनी संबंधों का सवाल है, तो भारत ने करीब अढ़ाई दशक पहले अप्रैल, 1996 में यहां अपना उच्चायोग शुरू किया था। इसके दस साल बाद 2006 में पापुआ न्यू गिनी ने भी भारत में अपना उच्चायोग शुरू किया। वर्ष 2016 में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी पापुआ न्यू गिनी का दौरा करने वाले पहले भारतीय नेता थे। भारत पापुआ न्यू गिनी को टेक्सटाइल, मशीनरी, खाद्य पदार्थ, दवा, सर्जिकल उपकरण, साबुन, वॉशिंग पाउडर जैसे जरूरी सामान निर्यात करता है। दूसरी ओर, भारत कॉफी, टिंबर, समुद्री उत्पादन, सोना, कांसे जैसी जरूरी चीजें पापुआ न्यू गिनी से आयात करता है। पापुआ न्यू गिनी अक्सर ज्वालामुखी, भूकंप और समुद्री तूफान का शिकार रहा है। संकट के समय व अन्य जरूरी मौकों पर भारत पापुआ न्यू गिनी को मानवीय सहायता भी देता रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने पापुआ न्यू गिनी को कोरोना वैक्सीन की एक लाख 31 हजार खुराक दी। जाहिर है, भारत सामरिक रूप से इस छोटे देश के साथ संबंधों को रणनीतिक व आर्थिक स्तरों के जिस मुकाम तक ले जाना चाहता हैं, उसमें प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा कारगर साबित होगी।

जवाबदेही तय हो अधिकारियों की

(लेखक-सनत कुमार जैन)

राजस्थान में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक के कार्यालय की अलमारी में 2.31 करोड रुपए की नगदी तथा 1 किलो सोना जांच एजेंसियों ने जप्त किया है। ऐसे सैकड़ों मामले हर महीने हर राज्य में देखने को मिलते हैं। यह मामला इसलिए अलग हैं, कि भ्रष्टाचार की कमाई में इतनी बड़ी नगदी और सोना अधिकारी ने कार्यालय में ही रखा था। भारत में जिस तरह के नियम कायदे कानून सरकारें बनाती हैं। उन नियम कायदे और कानूनों को आधार बनाकर राजनेता, सरकारी कर्मचारी और अधिकारी किस तरह से भ्रष्ट कमाई करते हैं। इसके हजारों उदाहरण सामने हैं। जांच एजेंसियों के छापे में आये दिन उजागर होते रहते हैं। लेकिन अब तो हद हो गई कि कार्यालय की अलमारी में रिश्वत और भ्रष्टाचार का धन रखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल, हो मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान हो, या अन्य राज्य हों, सभी स्थानों में राजनेताओं, सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के यहां छापे में करोड़ों रुपए की संपत्ति बरामद होती है। पटवारी जैसे छोटे से पद में काम करने वाले के यहां छापे में करोड़ों रुपए की संपत्ति मिल रही है। मध्य प्रदेश में पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन की एक संविदा सब इंजीनियर के पास से करोड़ों रुपए की संपत्ति जप्त हुई है। उसका वेतन मात्र 30000 रुपये प्रतिमाह है। इससे समझा जा सकता है कि शासन व्यवस्था में जो राजनेता, अधिकारी और कर्मचारी काम करते हैं। वह किस तरह से भ्रष्टाचार के जरिए पैसे कमा रहे हैं। प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए, राजीव गांधी ने कहा था कि केंद्र से 100 पैसे जाते हैं। वह राज्यों में जाकर 15 पैसे ही जनता के पास पहुंच पाते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने राजीव गांधी के इस कथन को कांग्रेस के भ्रष्टाचार से जोड़ दिया। जबकि उनका स्पष्ट रूप से कहना था, कि सरकारी योजनाओं का जो पैसा राज्य सरकारों के माध्यम से जनता और विभिन्न योजनाओं के लिए भेजा जाता है। उसका मात्र 15 फ़ीसदी तक जनता तक पहुंच पाता है। राजीव गांधी ने यह सच्चाई बताई थी। विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों की भी सरकारें थी। लेकिन भाजपा ने कांग्रेस को ही भ्रष्टाचारी पार्टी बता दिया। 30 साल बाद भी भ्रष्टाचार की वही स्थिति है। जो 90 के दशक में थी। भ्रष्टाचार की गंगोत्री में मंत्री, विधायक, सांसद, सरकारी, अधिकारी और कर्मचारी, गोता लगाकर करोड़पति और अरबपति बन जाते हैं। तरह-तरह की जांच एजेंसियां बन गई। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने भ्रष्टाचार रोकने के लिए बड़े-बड़े वादे और दावे किए। लेकिन भ्रष्टाचार कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। अब तो हद हो गई है, कि सरकारी तंत्र कर्ज लेकर विकास के नाम पर कर्ज राशि से भी भ्रष्टाचार कर रही है। जिसके कारण नागरिकों पर दोहरा आर्थिक भार पड़ रहा है। भारी टैक्स और शुल्क के रूप में आम नागरिक जो पैसा सरकारी कोष में जमा करते हैं। उसकी बहुत बड़ी राशि ब्याज और किस्त के रूप में सरकारों को अदा करनी पड़ रही है। सरकार अपने खर्च पूरे नहीं कर पा रही है। केंद्र, राज्य सरकारों, नगरीय निकायों और आम आदमी पर कर्ज का बोझ बढ़ता ही जा रहा है। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया की तर्ज पर सभी वर्ग, कर्ज लेकर कथरी ओढ़कर घी पीने का काम कर रहे हैं। रिश्वत लेने वाले और भ्रष्टाचार करने वाले जब पकड़े जाते हैं। तो वह रिश्वत देकर छूट भी जाते हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारें ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को बड़ा पसंद करती हैं। पकड़े जाने के बाद भी उन पर कार्यवाही करने से परहेज करती हैं। उन्हें कुछ समय के लिए निलंबित करके फिर से महत्वपूर्ण पदों पर तैनात कर दिया जाता है। क्योंकि वह अच्छे से मास्टर होते हैं। भ्रष्टाचार करने की विशेषज्ञ होते हैं। नेताओं और बड़े अधिकारियों को ऐसे ही अधिकारियों और कर्मचारियों की जरूरत होती है। राजस्थान में भी ऐसा ही हुआ। कार्यालय के अंदर करोड़ों रुपए की नकदी और सोना जप्त हुआ। सरकार ने संयुक्त निदेशक को निलंबित कर दिया। निलंबन के दौरान यह अधिकारी अपने बचने के लिए सारे इंतजाम करेगा, जो उसने कमाया है, उसकी बंदरबांट होगी। कुछ समय के बाद पुनः अच्छे पद पर तैनाती हो जाएगी। कुछ समय के बाद दोषमुक्त होकर मलाईदार पद पर पुन- आसीन हो जाएगा। दुगनी गति से फिर कमाई शुरु कर देगा। भ्रष्टाचार के मामले में जो अधिकारी कर्मचारी पकड़े जाते हैं। उनकी कई वर्षों तक जांच चलती है। यदि मुकदमा न्यायालय तक चला भी गया, तो सेवानिवृत्ति होने या मरने के बाद ही उसका फैसला आता है। कई बार तो सरकारें कोर्ट से मुकदमा ही वापस ले लेती है। बड़े-बड़े भ्रष्ट अधिकारी, जनप्रतिनिधि और सरकारी कर्मचारी रिश्वत लेने और भ्रष्टाचार करने में जरा भी नहीं डरते हैं। उन्हें मालूम है कि यदि पकड़े भी गए, तो रिश्वत देकर छूटने का रास्ता भी वह जानते हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारें जिस तरह के नियम कायदे कानून बनाती हैं। उनमें अधिकारियों की कोई जिम्मेदारी नहीं होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपे डेबिट कार्ड पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने की मांग

नई दिल्ली । भारत के हाई-स्ट्रीट बैंक रुपे डेबिट कार्ड पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने की मांग कर रहे है। इसके लिए उन्होंने सरकार से कहा है कि अगर सरकार रुपे कार्ड पर एमडीआर लगाने पर सहमत होती है,तब उन्हें पेमेंट नेटवर्क सिक्योरिटी बढ़ाने और नए भुगतान समाधान विकसित करने के लिए आवश्यक फंड मिल मिल सकेगा। एमडीआर डेबिट और क्रेडिट कार्ड लेनदेन के पेमेंट प्रोसेसिंग के लिए एक व्यापारी से लिया जाता है। वर्तमान में रुपे डेबिट कार्ड के माध्यम से लेनदेन के लिए कोई एमडीआर नहीं है। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि भारतीय बैंक संघ ने भी रुपे डेबिट कार्ड पर एमडीआर की बहाली के लिए वित्त मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। बैंकर ने कहा, हमने तर्क दिया है कि एमडीआर आवश्यक है और स्थिरता को बढ़ावा देगा और अत्याधुनिक तकनीकों में निरंतर निवेश को सक्षम करेगा। एक अन्य बैंकर ने बताया, 'आईबीए ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि रुपे कार्ड पर एमडीआर की अनुमति देने से बैंकों को रुपे कार्ड जारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।' एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, पहले भी कई स्टेकहोल्डर्स ने इस बात को कहा है कि शून्य एमडीआर से डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम पर नतारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

बायर क्रॉपसाइंस का मुनाफा 3.79 प्रतिशत बढ़कर 158 करोड़ रुपये पर

मुंबई । बायर क्रॉपसाइंस का बीते वित्त वर्ष (2022-23) की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 3.79 प्रतिशत बढ़कर 158.5 करोड़ रुपये रहा है। इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 152.7 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 982.5 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 963.3 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी का खर्च भी 789.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 811.1 करोड़ रुपये हो गया। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बायर क्रॉपसाइंस का शुद्ध लाभ 17.49 प्रतिशत के उछाल से 758.2 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में 645.3 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 5,203.6 करोड़ पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 4,789 करोड़ रुपये थी।

मेटा फिर करेगी 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी

मुंबई । मेटा ने दस हजार कर्मचारियों को निकालने की बात कही थी। छंटनी के दो राउंड के बाद कंपनी फिर से छंटनी की प्रक्रिया को शुरू करने वाली है। कहा जा रहा है कि मेटा में ये छंटनी का आखिरी राउंड है। बता दें कि 10 हजार लोगों को एक साथ नहीं निकाला गया था, कंपनी में छंटनी का ये तीसरा राउंड है और इस बार 6 हजार लोगों को निकालने जाने की खबरें आ रही हैं। मेटा कंपनी में छंटनी के पहले राउंड के दौरान 11 हजार कर्मचारियों को कंपनी से बाहर किया था। इसके बाद मार्च में 10 हजार लोगों को निकालने की घोषणा से मेटा बड़े पैमाने पर लोगों को नौकरी से निकालने वाली बड़ी टेक कंपनी बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेटा में छंटनी के तीसरे राउंड का असर बिजनेस डिपार्टमेंट पर भी पड़ सकता है। साइट सिक्योरिटी, मार्केटिंग, कंटेंट स्ट्रैजी, एंटरप्राइज इंजीनियरिंग, प्रोग्राम मैनेजमेंट और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन से निकाले गए कुछ कर्मचारियों ने प्रोफेशनल नेटवर्क प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है। आयरलैंड में मेटा ने बताया कि सेल्स, मार्केटिंग, फाइनेंस और इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट से 490 कर्मचारियों को निकाला जा सकता है।

मारुति सुजुकी जिम्नी को 30 हजार ग्राहक कर चुके हैं बुक

-अगले महीने 7 जून को लॉन्च होगी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

मारुति सुजुकी जिम्नी को अब तक 30 हजार ग्राहक बुक कर चुके हैं। मात्र 25,000 रुपये देकर इस कार को ऑनलाइन या कंपनी की डीलरशिप पर जाकर बुक कराया जा सकता है। जानकारी के अनुसार मारुति जिम्नी को 7 जून को लॉन्च किया जा सकता है।मारुति जिम्नी में एलईडी हेडलैंप, 9-इंच स्मार्ट प्ले प्रो + इंफोटेनमेंट सिस्टम, क्रूज़ कंट्रोल, 6 एयरबैग,हिल होल्ड असिस्ट के साथ ईएसपी और हिल डिसेंट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। जिम्नी 2 वेरिएंट्स- जेटा और अल्फा में पेश की जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार जिम्नी की कीमत 13,65,705.70 रुपये बताई जा रही है। कयास लगाया जा रहा कि ये कीमत जिम्नी की टॉप मॉडल की हो सकती है। वहीं ऑन रोड इसकी कीमत 16 लाख रुपये के आसपास हो सकती है। लॉन्च के बाद ये गाड़ी महिंद्रा थार और फोर्स गुरखा को टक्कर देगी। मारुति जिम्नी में 1.5-लीटर चार-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेडेट के15सी डुअलजेट इंजन दिया जाएगा है, जो 105पीएस की पावर और 134 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। साथ ही इसे 5-स्पीड एमटी और 4-स्पीड एटी ऑप्शन के साथ जोड़ा गया है।

रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ ही 82.81 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया गिरावट पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में मजबूती के रुख के बीच आज शुरुआती कारोबार में रुपया कमजोरी के रुख के साथ खुला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया अपने पिछले बंद स्तर की तुलना में आठ पैसे के नुकसान से 82.76 प्रति डॉलर पर खुला। इससे पहले गत दिवस रुपया 82.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ 104.02 पर पहुंच गया।

बीएसएनएल दो हफ्ते में 200 स्थानों पर 4जी सेवा शुरू करेगी

नई दिल्ली । दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल अगले दो हफ्तों में 200 स्थानों पर 4जी सेवाओं की पेशकश करना शुरू कर देगी। वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि देश में ही निर्मित 4जी दूरसंचार उपकरणों को बीएसएनएल ने चंडीगढ़ और देहरादून के बीच 200 स्थानों पर लगाया है। उन्होंने कहा कि अधिक-से-अधिक अगले दो हफ्तों में बीएसएनएल की 4जी सेवा शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस साल नवंबर-दिसंबर तक बीएसएनएल के 4जी नेटवर्क को उन्नत कर 5जी में बदल दिया जाएगा। बीएसएनएल ने 4जी नेटवर्क की स्थापना के लिए टीसीएस और आईटीआई को 19,000 करोड़ रुपए से अधिक का अग्रिम ऑर्डर दिया हुआ है। इन उपकरणों को देश भर में 1.23 लाख से अधिक जगहों पर लगाया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि तीन महीने तक परीक्षण चलने के बाद हम एक दिन में 200 जगहों पर नेटवर्क लगाने लगेंगे। शुरू में यह नेटवर्क 4जी के तौर पर काम करेगा और नवंबर-दिसंबर तक थोड़े-बहुत सॉफ्टवेयर अपडेट के साथ इसे 5जी में तब्दील कर दिया जाएगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 61,872 , निफ्टी 18,321 पर बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी रही। बाजार में ये उछाल विदेशों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली खरीददारी से आया है। आज कारोबार के दौरान अंतिम घंटे में अच्छी खरीदारी से बाजार ऊपर आया। इसके साथ ही वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों के निपटान का अंतिम दिन होने से भी बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 98.98 अंक करीब 0.16 फीसदी उछलकर 61,872.62 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय से 61,934.01 अंक तक उछला था। इसके साथ ही 61,484.66 अंक तक फिसला था।

वहीं पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी शुरुआत अच्छी नहीं रही पर अंत में यह 35.75 अंक करीब 0.20 फीसदी बढ़कर 18,321.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स और महिंद्रा और महिंद्रा के शेयर मुख्य रुप से लाभ के साथ ही उछले हैं। वहीं विप्रो, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा स्टील के शेयर नुकसान के कारण गिरे हैं। वहीं आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच बाजार की की कमजोर शुरुआत हुई। बीएसई का सेंसेक्स 26.56 अंक की गिरावट के साथ 61,747.22 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 12.20 अंक की गिरावट के साथ 18,273.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि जापान का निक्की लाभ के साथ ही उछला है। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार गत दिवस नीचे आये। सेंसेक्स में बुधवार को 208.01 की गिरावट आई थी। वहीं निफ्टी 62.60 अंक नुकसान में रहा था।

अडानी ग्रुप की सात कंपनियों के शेयर घाटे में, एंटरप्राइजेज में भी गिरावट

मुंबई ।(एजेंसी)

अडाणी समूह की सात कंपनियों के शेयर बुधवार को नुकसान में बंद हुए, जिसमें अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर लगभग छह प्रतिशत तक गिर गया। उच्चतम न्यायालय की समिति की रिपोर्ट सामने आने के बाद समूह की कंपनियों के शेयर पिछले तीन दिन से मुनाफे में थे। समिति ने कहा है कि अडाणी समूह के शेयरों के भाव में हेराफेरी का उसे कोई सबूत नहीं मिला है। साथ ही अडाणी समूह की कंपनियों में विदेशी कंपनियों के निवेश में हुए कथित उल्लंघन की अलग से हुई सेबी की जांच में कुछ नहीं मिला है। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर बीएसई में 5.90 प्रतिशत गिर गया। इसका शेयर पिछले तीन दिन में 39.41 प्रतिशत चढ़ा था। अडाणी विल्मर का शेयर 4.99 प्रतिशत, एसीसी का शेयर 2.15 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स का शेयर 2.13 प्रतिशत, अडाणी पावर का शेयर 1.63 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 1.25 प्रतिशत और अडाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 0.52 प्रतिशत गिर गया। हालांकि अडाणी ट्रांसमिशन का शेयर पांच प्रतिशत, अडाणी टोटल गैस का शेयर पांच प्रतिशत और एनडीटीवी का शेयर 4.98 प्रतिशत तक चढ़ गया। शेयर बाजार में बीएसई का शेयर 208.01 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 61,773.78 पर बंद हुआ। अडाणी समूह की सभी कंपनियों के शेयर शुक्रवार से बढ़ रहे थे। पिछले तीन दिनों में समूह की सभी कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 1,77,927.29 करोड़ रुपए बढ़ गया था।

गोफर्स्ट उड़ान सेवा शुरू करने से पहले कर्मचा रियों को पूरा वेतन देगा

मुंबई । आर्थिक संकट से जूझ रही एयरलाइन गोफर्स्ट अपनी उड़ान सेवा शुरू करने से पहले अपने कर्मचो रियों को अप्रैल की पूरी सैलरी देगी। इस बात कि सूचना गोफर्स्ट के वाइस प्रेसिडेंट (फ्लाइट ऑपरेशंस) कैप्टन रजित रंजन ने ईमेल के जरिए सभी कर्मचारियों को दी है। ईमेल में कहा गया है कि कंपनी अगले महीने से एंप्लॉयीज को उनकी सैलरी हर महीने के पहले हफ्ते में दे दी जाएगी। आर्थिक संकट से जूझ रही गो फर्स्ट की उड़ानें तीन मई से बंद हैं। फिलहाल एयरलाइन स्वैच्छिक दिवाला समाधान कार्यवाही में है। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन ने नियामक के कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया है, जिससे संकेत मिलता है कि वह जल्द से जल्द उड़ानों को फिर से शुरू करने पर काम कर रही है। हालांकि, नागर विमानन महानिदेशालय ने गो फर्स्ट को उड़ानों की फिर अनुमति देने से पहले उसकी तैयारियों का ऑडिट करेगा। पैसो की तंगी के कारण कंपनी ने अपनी सेवाएं बंद कर दी थी।

टोक्यो में चीनी कंपनी हुवेई ने नये उत्पाद पेश किये। इन उत्पादों में वायरलैस इयरबड के साथ ही स्मार्टवाच सहित कई अन्य चीजें भी थीं। कंपनी का लक्ष्य इन सामनों के बढ़ते हुए बाजार पर अपनी पकड़ और मजबूत करना है। हुवेई जापान द्वारा पेश इन स्मार्टवाच में फिटनेस से जुड़े कई फीचर शामिल हैं जिसमें स्कूबा डाइविंग मोड भी है।

फर्जी आईटीसी दावों पर लगाम के लिए अधिक प्रयास जरूरी: सीबीआईसी सदस्य

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावा करने वाले कारोबारियों को जीएसटी प्रणाली से निकाल बाहर करने के लिए अधिक प्रयासों की जरूरत है। सीबीआईसी के एक सदस्य ने उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई के एक कार्यक्रम में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के फर्जी पंजीकरण से आईटीसी का गलत दावा करने वाले कारोबारियों की पहचान के लिए दो महीने का विशेष अभियान भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर हम फर्जी ढंग से आईटीसी दावा करना ही बहुत मुश्किल या नामुमकिन बना देते हैं तो यह समस्या जड़ से ही खत्म हो जाएगी। इसके लिए हाल में सत्यापन की व्यवस्था लागू की गई है। हालांकि जीएसटी प्रणाली से फर्जी आईटीसी लेने वालों को खत्म करने के लिए अब भी कुछ कदम उठाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी पंजीकरण की संख्या 1.39 करोड़ हो चुकी है लेकिन इनमें कुछ लोग फर्जी बिल के जरिये आईटीसी के दावे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर विभाग का संघर्ष यह है कि इन्हें किस तरह खत्म किया जाए और व्यवस्था को फिर से साफ बनाया जा सके। वित्त वर्ष 2022-23 में एक लाख करोड़ रुपए की कर चोरी होने का अनुमान है जबकि वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 54,000 करोड़ रुपए था।

अब दवाई के हर हिस्से में मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी की तारीख लिखी होगी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्र सरकार का उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय एक योजना बना रहा है। इस योजना के मुताबिक छेद वाली दवाई पट्टी तैयार की जाएगी। इसके हर हिस्से में निर्माण और एक्सपायरी की तारीख लिखी होगी। इससे आपको जितनी ही टैबलेट चाहिए उतनी ही मिलेगी। इसके अलावा एक और विकल्प की तलाश की जा रही है। दवा की पट्टियों पर क्यूआर कोड अंकित किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर पूरी पट्टी खरीदने पर जोर देने की शिकायतों में वृद्धि देखी गई है। इसके बाद कंपनियों से बातचीत शुरू की गई। आने वाले समय में इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है। मंत्रालय ने हाल ही में फार्मा उद्योग के दिग्गजों के साथ इस मामला पर विचार-विमर्श किया। बैठक में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के शीर्ष अधिकारियों ने भी भाग लिया। अधिकारियों ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा की गई और मंत्रालय ने सुझाव दिया कि दवाओं की पैकेजिंग के लिए नई तकनीकों की खोज की जानी चाहिए। दवा की एक पूरी पट्टी जबरन खरीदने से न केवल चिकित्सा अपव्यय होता है बल्कि ग्राहकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ भी पड़ता है। विभाग को कई उपभोक्ता शिकायतें मिली हैं कि कैसे केमिस्ट दस गोलियों या कैप्सूल की एक पूरी पट्टी बेचने पर जोर दे रहे हैं और उन्हें कम बेचने से मना कर रहे हैं। ऐसे भी मामले हैं जहां प्रिस्क्रिप्शन केवल एक या दो दिन के लिए होता है और उपभोक्ता को पूरी पट्टी खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। कुछ मामलों में, उपभोक्ता कम मात्रा में दवाइयां खरीदते हैं क्योंकि वे पूरे सप्ताह के लिए दवाएं नहीं खरीद सकते। केमिस्टों के मुताबिक, कटी हुई दवा पर मैन्युफैक्चरिंग, एक्सपायरी की जानकारी स्पष्ट नहीं होने के कारण कोई उन्हें लेना नहीं चाहता।

एसबीआई की आय बढ़ने से सतर्क हुए ब्रोकर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

व्यापक आर्थिक हालात की अनिश्चितता का हवाला देते हुए अधिकांश ब्रोकर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की कमाई में इजाफे को लेकर सतर्क हो गए हैं। उन्हें सरकारी स्वामित्व वाले ऋणदाता के मामले में कोई खास जोखिम तो नहीं दिख रहा है, लेकिन उसकी बैलेंसशीट के आकार और सिस्टमैटिक महत्व ने उन्हें वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कमाई के अनुमानों में पांच प्रतिशत तक की कटौती करने के लिए प्रेरित किया है। सरकारी स्वामित्व वाले देश के सबसे बड़े बैंक ने वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में एकल आधार पर 16,694.51 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया है। संपूर्ण वित्त वर्ष 23 के लिए इसका मुनाफा वर्ष 50,232 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 58.58 प्रतिशत रहा। एसबीआई ने वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में 40,393 करोड़ रुपए की ब्याज आय दर्ज की, जो पिछले साल की तुलना में 29.5 प्रतिशत अधिक रही। वित्त वर्ष 23 के दौरान शुद्ध ब्याज आय 1.44 लाख करोड़ रुपए और ब्याज मार्जिन 3.58 प्रतिशत रहा। वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में लोन बुक 32.69 लाख करोड़ रुपए और जमा राशि 44.24 लाख करोड़ रुपए रही। वित्त वर्ष 23 एसबीआई के सबसे अच्छे वर्षों में से एक रहा क्योंकि शुद्ध ब्याज मार्जिन में 20 आधार अंकों का विस्तार हुआ, ऋण वृद्धि पिछले साल की तुलना में 16 प्रतिशत बढ़ी, सकल और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों अपने सबसे निचले स्तर पर रहीं और क्रेडिट लागत दो दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। ब्रोकर ने एसबीआई के वित्त वर्ष 24 के लाभ अनुमान को 54,100 करोड़ रुपए से 1.2 प्रतिशत घटाकर 53,500 करोड़ रुपए कर दिया है। इसने इस वित्त वर्ष के लिए एसबीआई के परिचालन लाभ अनुमान को 1.1 प्रतिशत घटाकर 94,600 करोड़ रुपए और शुद्ध ब्याज आय के अनुमान को 0.7 प्रतिशत तक घटाकर 1.57 लाख करोड़ रुपए कर दिया है।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में वापसी चाहते हैं बोल्ट

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा है कि वह इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में खेलना चाहते हैं। बोल्ट ने टी20 लीग खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सालाना अनुबंध नहीं किया है पर वह इस साल के अंत में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में खेलना चाहते हैं। इससे पहले बोल्ट ने कहा था कि वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध नहीं चाहते हैं। बोल्ट गत वर्ष हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही टीम से बाहर हैं क्योंकि चयनकर्ताओं ने अनुबंधित खिलाड़ियों को ही टीम में जगह दी है। वहीं अब बोल्ट ने कहा,'' मेरी अब भी पूरी इच्छा है कि मैं न्यूजीलैंड की तरफ से इस आईसीसी टूर्नामेंट में खेलूं। मैं भाग्यशाली रहा कि मुझे न्यूजीलैंड की तरफ से 13 साल तक खेलने का मौका मिला। न्यूजीलैंड की टीम साल 2019 में विश्व कप फाइनल में पहुंचकर हार गयी थी पर इस तेज गेंदबाज के अनुसार उनकी टीम भारत में अक्टूबर-नवंबर में विजेता बन सकती हैउन्होंने कहा,'' मुझे याद है कि 2019 के फाइनल के बाद मैंने कप्तान केन विलियमसन से कहा था कि हमें भारत में 2023 में फिर से यहां पर पहुंचना है।

आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में आज होगा मुम्बई ओर गुजरात में मुकाबला

अहमदाबाद । (एजेंसी)

मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस पर जीत के साथ ही फाइनल में जगह बनाने उतरेगी। मुम्बई की टीम पहले एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ मिली बड़ी जीत से उत्साहित है। टीम के बल्लेबाजों ने इस मैच में अच्छा स्कोर बनाया था। उसके बाद गेंदबाजी के दौरान युवा आकाश मघवाल ने कमाल करते हुए पांच रन देकर पांच विकेट लिए। इससे टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं दुसरी ओर गुजरात को पहले क्वालीफायर में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। गुजरात के लिए सकारात्मक बात ये है कि वह अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी जिसका लाभ उसे मिलेगा।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर जैसे खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बाद भी मुंबई की यह बड़ी जीत से भी गुजरात पर दबावा पड़ेगा। मुंबई का इस सत्र में प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है पर अब लगता है कि उसकी टीम सही समय पर फॉर्म में लौट गयी है। बल्लेबाजी में टीम की जिम्मेदारी कैमरन ग्रीन, सूर्यकुमार यादव और टिम डेविड पर रहेगी। उनके अलावा युवा बल्लेबाज नेहल बढेरा भी अंतिम ओवरों में बड़ा स्कोर बना रहे हैं। रोहित शर्मा और ईशान किशन की सलामी जोड़ी भी लय में है जिससे मुम्बई के इस मैच में जीतने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इन बल्लेबाजों को रोकना गुजरात के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। गुजरात की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर राशिद खान पर रहेंगी। मधवाल ने लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में गेंदबाजी में चमत्कारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने 3.5 ओवर में पांच रन देकर पांच विकेट लिए। टीम को उनसे इसी तरह के अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। ऐसे में उनका सामना करना गुजरात के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। मुंबई के अन्य गेंदबाजों में अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला और तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडॉर्फ ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले कुछ मैचों में रन देने वाले तेज गेंदबाज क्रिस जॉर्डन में लखनऊ के खिलाफ दो ओवर में सात रन देकर एक विकेट लिया जो कि मुंबई के लिए अच्छा संकेत है। गुजरात टाइटंस पहले क्वालीफायर में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स की टीम से हार का सामना करने के बाद इस मैच में उतरेगी। उसे लगातार दूसरी बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। गुजरात के सभी खिलाड़ियों ने अभी तक अहम योगदान दिया है। बल्लेबाजी में शुभमन गिल शानदार फार्म में हैं। इसके अलावा विजय शंकर ने अच्छा प्रदर्शन किया है। शुभमन चेन्नई के खिलाफ अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन लीग चरण के अंतिम दो मैचों में शतक लगाने वाला यह सलामी बल्लेबाज मुंबई के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगा।

एएफसी अंडर 23 एशियाई कप फुटबॉल क्वालीफायर में भारतीय टीम चीन, यूएई से खेलेगी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अगले साल कतर में होने वाले एएफसी अंडर 23 एशियाई कप फुटबॉल प्रतियोगिता के क्वालीफायर्स मुकाबले के लिए कुआलालंपुर स्थित मुख्यालय में ड्रॉ निकाले गये हैं। इसमें भारतीय टीम को ग्रुप जी में जगह मिली है। भारतीय टीम के साथ इसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मालदीव और चीन की टीमें हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के मैच छह से 12 सितंबर के बीच चीन में होंगे। भारतीय टीम का पहला मैच छह सितंबर को मालदीव से होगा। इसके बाद वह नौ सितंबर को चीन और 12 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात यूएई से खेलेगी क्वालीफायर्स में कुल 43 टीमें भाग लेंगी इन्हें 11 ग्रुप में रखा गया है। इनमें 10 ग्रुप में चार चार जबकि एक ग्रुप में तीन टीमें रखी गयी हैं। प्रत्येक ग्रुप के मैच एक ही आयोजन स्थल पर राउंड रोबिन आधार पर होंगे। इसमें से प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम के साथ ही दूसरे स्थान की चार सर्वश्रेष्ठ टीमें अंडर 23 एशिया कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। कतर को मेजबान होने के कारण इस टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश दिया गया है। यह टूर्नामेंट अगले साल 15 अप्रैल से तीन मई तक खेला जाएगा। एएफसी अंडर 23 एशियाई कप पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफायर होगा। इस प्रतियोगिता में शीर्ष पर रहने वाली तीन टीमों को ओलंपिक में जगह मिलेगी जबकि चौथी टीम प्लेऑफ में उतरेगी।

जूनियर एशिया कप हॉकी में भारत की शानदार शुरुआत, पहले ही मुकाबले में चीनी ताइपे को 18-0 से हराया

सालालाह । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां शुरु हुए जूनियर एशिया कप में शानदार शुरुआत करते हुए पुल ए के पहले ही मुकाबले में चीनी ताइपे को 18-0 से हरा दिया। भारतीय टीम के सामने चीनी ताइपे की टीम टिक नहीं पायी। भारतीय टीम की ओर से अरिजीत सिंह हुंदल ने चार गोल किये। अरिजीत ने 19वें, 29वें, 30वें, 59वें मिनट में ये गोल दागे। इसके अलावा अमनदीप ने 38वें, 39वें, 41वें मिनट में गोल कर हैट्रिक लगायी जबकि बॉबी सिंह धामी ने 10वें और 46वें मिनट में गाल किये। आदित्य अर्जुन ललागे ने 37वें और 39वें मिनट और कप्तान उत्तम सिंह ने 10वें और 59वें मिनट में दो-दो गोल किए। शारदा नंद तिवारी ने 11वें व अंगद बीर सिंह ने 37वें मिनलट में गोल किया। आमिर अली ने 51वें, बोबी पूवन्ना चंदूरा ने 54वें और योगंबर रावत ने 60वें मिनट में एक-एक गोल किया।

एक के बाद एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट भारतीय फुटबॉल टीम के लिए अच्छा : गुरप्रीत सिंह संधू

(एजेंसी)।

भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू का मानना है कि एक के बाद एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलना टीम के लिए फायदेमंद होगा क्योंकि इससे खिलाड़ियों को अपने कौशल को चमकाने का अच्छा मौका मिलता है।भारत अभूतपूर्व संख्या में मैच खेलने के लिए तैयार है, घरेलू मैदान पर बैक-टू-बैक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट - भुवनेश्वर में इंटरकांटिनेंटल कप और बेंगलुरु में सैफ चैम्पियनशिप, इसके बाद थाईलैंड में किंग्स कप (सितंबर) और मलेशिया में मर्डेका कप (अक्टूबर)।गुरप्रीत ने कहा, बैक-टू-बैक टूर्नामेंट हमारे लिए बहुत अच्छे हैं। हमारे सामने अच्छी संख्या में मैच हैं और यह ऐसी चीज है जिसकी मैं व्यक्तिगत रूप से सराहना करता हूं। मुझे नहीं लगता कि हमने पहले कभी ऐसा किया है।उन्होंने कहा, इस तरह के टूर्नामेंट हमेशा एक चुनौती होते हैं, लेकिन वे अच्छी टीमों के खिलाफ हमारे कौशल को चमकाने और यहां तक कि कुछ सिल्वरवेयर जीतने का भी एक बड़ा अवसर प्रदान करते हैं।वर्तमान में, कतर में अगले साल जनवरी में होने वाले एएफसी एशियन कप की तैयारी के रास्ते पर, ब्लू टाइगर्स इंटरकांटिनेंटल कप से पहले भुवनेश्वर में अपने प्रशिक्षण शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।उन्होंने कहा, एशिया कप हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमें मिलने वाले हर अवसर पर अधिक प्रतिस्पर्धी खेल खेलने की जरूरत है, जो एशियाई कप की तैयारी में हमारे लिए अच्छा होगा। टीम को एक साथ लाने के लिए, प्रत्येक के साथ अधिक समय बिताएं दूसरे, और टीम के खेलने के सर्वोत्तम तरीकों का पता लगाना हमारे लिए अच्छा होगा। भारत ने 40 खिलाड़ियों के साथ भुवनेश्वर में अपना शिविर शुरू किया, इससे पहले कि कोचिंग स्टाफ द्वारा कुछ दिनों के कठोर शारीरिक परीक्षण के बाद टीम को 27 तक छोटा कर दिया गया।गुरप्रीत ने कहा, शिविर में पिछले कुछ दिन अच्छे रहे हैं। बहुत सारे परीक्षण किए गए हैं, जहां हमें विभिन्न परिस्थितियों में रखा गया है। ओडिशा में सुविधाएं हमारे लिए अद्भुत रही हैं। भुवनेश्वर में वह सब कुछ है जो एक खिलाड़ी मांग सकता है। प्रशिक्षण सुविधाओं, ड्रेसिंग रूम, रिकवरी, जिम और फिटनेस उपकरणों के मामले में, यह सब शीर्ष पायदान पर है। एक खिलाड़ी के रूप में, आप वास्तव में हर प्रशिक्षण सत्र में जाना चाहेंगे।भारतीय गोलकीपर को लगता है कि टीम का कोर पिछले साल की तुलना में काफी स्थिर रहा है, खिलाड़ियों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, पिच पर सुरक्षित स्थिति के मामले में कुछ भी स्थायी नहीं है, लेकिन कई खिलाड़ी पिछले साल से लगातार टीम में हैं और ऐसा इसलिए है क्योंकि वे सभी प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर हम उम्मीद करते हैं कि टीम कुछ जगह जाएगी तो यह निरंतरता बहुत महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

यूटीटी लीग के लिए शरत, साथियान और मनिका को फ्रैंचाइजियों ने बरकरार रखा

मुंबई । दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल और जी साथियान को उनकी फ्रैंचाइजियों ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) लीग के चौथे सत्र के लिए अपने साथ बनाये रखा है। साथियान को गत चैंपियन चेन्नई लायंस ने जबकि दबंग दिल्ली टीटीसी ने साथियान को अपने साथ रखा है। वहीं महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा इस बार भी बेंगलुरू स्मैशर्स की ओर से खेलती हुई दिखेंगी। मानव ठक्कर को यू मुंबा टीटी ने शामिल किया है। पुणे के बालेवाड़ी खेल परिसर में 13 से 30 जुलाई तक खेली जाने वाली लीग के इस सत्र में छह टीमें भाग लेंगी। इसमें बेंगलुरू स्मैशर्स, चेन्नई लायंस, दबंग दिल्ली टीटीसी, गोवा चैलेंजर्स, पुणेरी पल्टन टेबल टेनिस और यू मुंबा टीटी हैं। वहीं हाल ही में यूटीटी के चौथे सत्र के कोच ड्राफ्ट में हर फ्रेंचाइजी को दो कोच चयनित करने का अवसर दिया गया था। ऐसे अब सभी की नजरें मुंबई में अगले महीने होने वाले चौथे सत्र के खिलाड़ी ड्राफ्ट पर लगी हुई हैं। इसमें छह-छह खिलाड़ियों की टीमें रहेंगी। इस ड्राफ्ट में 40 खिलाड़ी रहेंगे इसमें से हर टीम दो विदेशी (एक पुरुष और एक महिला) और चार भारतीय (दो पुरुष और दो महिला) खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है।

अपने को बुमराह का विकल्प नहीं मानते मधवाल

(चेन्नई) आईपीएल के पहले क्वालीफायर मुकाबले में मुम्बई इंडियंस की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले आकाश मधवाल अपने को अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का विकल्प नहीं मानते। आकाश के अनुसार टीम ने उन्हें जो जिम्मेदारियां दी थीं उन्हें वह पूरा करने का प्रयास कर रहे थे। मधवाल ने 3.3 ओवरों में ही पांच रन देकर पांच विकेट लिए थे जिससे लखनऊ की बल्लेबाजी धवस्त हो गयी थी। मधवाल ने कहा, ''मैं टीम द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरा करने का प्रयास कर रहा हूं। मैं बुमराह का विकल्प नहीं हूं हालांकि मैं जो कर सकता हूं उसे करने के लिए अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं।''मधवाल ने कहा, ''चेपक का विकेट अच्छा था। इसमें गेंद रुककर नहीं आ रही थी बल्कि तेजी से निकल रही थी जिसका मुझे लाभ मिला। मैं स्विंग गेंदबाज हूं और कठिन लेंथ पर गेंदबाजी करके अपने लिए विकेट हासिल करने का प्रयास करता हूं।''मधवाल ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा को पता है कि टीम की ताकत क्या है और कैसे उसका इस्तेमाल करना है। उन्होंने कहा, ''कप्तान को पता है कि यॉर्कर मेरी गेंदबाज का मजबूत पक्ष है पर नेट सत्र और अभ्यास मुकाबलों के दौरान उन्हें पता चला कि मैं नई गेंद से भी गेंदबाजी कर सकता हूं।''मधवाल ने कहा, ''इसलिए उन्हें पता था कि स्थिति की जरूरत के अनुसार किस प्रकार से मेरा उपयोग करना है।''

क्रुणाल ने हारी की जिम्मेदारी स्वीकार ली, बोले मुझे वह शॉट नहीं खेलना चाहिये था

चेन्नई ।(एजेंसी)

लखनऊ सुपरजाइंट्स के कप्तान क्रुणाल पंड्या ने कहा है कि आईपीएल के एलिमिनेटर मुकाबले में मुम्बई इंडियंस से हाथों मिली हार की जिम्मेदारी वह लेते हैं। इस मैच में लखनऊ टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रही और उसे 81 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में मार्कस स्टोइनिस 40 के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाया।

मुंबई ने इस मैच में 182 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गयी पर इसके बाद मार्कस स्टोइनिस ने पारी को संभालने का प्रयास शुरु किस इसमें उन्हें सफलता भी मिलने लगी थी पर तभी क्रुणाल ने एक बड़ा शॉट लगाने के फेर में अपना विकेट खो दिया।

क्रुणाल ने माना है कि उन्हें वह शॉट नहीं खेलना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''हम वास्तव में अच्छी स्थिति में थे। सब कुछ तब शुरू हुआ जब मैंने वह शॉट खेला था। मैं इसमें अपनी गलती स्वीकार करता हूं। कृणाल ने कहा कि विकेट में कोई समस्या नहीं थी, इसके बाद भी उनकी टीम बेहतर बल्लेबाजी नहीं कर पाई। उन्होंने कहा, ''विकेट दोनों पारियों में समान रुप से व्यवहार कर रहा था। वहीं क्विंटन डिकॉक की जगह काइल मायर्स को शामिल करने के फैसले का भी उन्होंने बचाव करते हुए कहा कि मायर्स का रिकार्ड डिकॉक से बेहतर रहा है। इसी कारण उन्हें जगह दी गयी।

टी20 में शुभमन के साथ पारी शुरु करें यशस्वी : हरभजन

नई दिल्ली । आईपीएल में इस बार युवा क्रिकेटरों शुभमन गिल , यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह सहित कई अन्य खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। यहां तक की अब इन्हें भारतीय टीम में शामिल करने की भी मांग उठने लगी है। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह का मानना है कि अगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए अब एक नई टीम बननी चाहिये। जिसकी कप्तान हार्दिक पांड्या संभालें और उसमें यशस्वी, रिंकू और शुभमन गिल जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हों। हरभजन ने साथ ही कहा कि यशस्वी को शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये लोग क्षमताओं से भरे हुए हैं। आईपीएल 2023 में यशस्वी जायसवाल का शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने इस सत्र के 14 मैचों में 48.08 की औसत के साथ 625 रन बनाए हैं और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 163.61 का रहा है। यशस्वी ने इस सत्र में 4 अर्धशतक और 1 शतक लगाया है। इस सत्र में सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड भी जायसवाल के नाम है।

आईपीएल फाइनल देखने भारत आयेंगे बांग्लादेश , श्रीलंका और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष

एशिया कप विवाद का निकलेगा हल

मुम्बई । इसी माह 28 मई को अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल फाइनल को देखने के लिए तीन पड़ोसी देशों बांग्लादेश , श्रीलंका और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी भारत आयेंगे। इसी दौरान एशिया कप को लेकर जारी विवाद का भी हल निकलने की संभावना है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा कि एशिया कप के आयोजन स्थल का फैसला आईपीएल फाइनल के बाद होने वाली बैठक में किया जाएगा जिसमें एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के शीर्ष पदाधिकारी भाग लेंगे। जय शाह ने कहा,'' अभी तक एशिया कप के आयोजन स्थल को लेकर फैसला नहीं किया गया है। हम अभी आईपीएल में व्यस्त थे लेकिन श्रीलंका क्रिकेट, बांग्लादेश और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के शीर्ष पदाधिकारी आईपीएल फाइनल देखने के लिए आ रहे हैं। वहीं हम इस पर चर्चा करके सही समय पर फैसला करेंगे। इस साल एशिया कप की मेजबानी पाक का मिली है पर भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान दौरे से माना कर दिया है। उसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से अध्यक्ष नजम सेठी ने एक 'हाइब्रिड मॉडल का प्रस्ताव रखा जिससे कि चार मैच का आयोजन उनके देश में हो सकता है। एसीसी के सूत्रों के अनुसार सेठी के इस फार्मूले के अनुसार श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और अफगानिस्तान के लीग चरण के चार मैच पाकिस्तान में होंगे जबकि भारत अपने मैच अन्य जगहों पर खेलेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मैच श्रीलंका में खेला जा सकता है हालांकि पीसीबी यह मैच दुबई में करवाना चाहता है। भारतीय बोर्ड हाइब्रिड मॉडल पर भी तैयार नहीं है जिससे विवाद गहरा गया है।

(गोरखपुर) खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत गोरखपुर कर रहा रोइंग प्रतियोगिता की मेजबानी

गोरखपुर । (एजेंसी)

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत रोइंग प्रतियोगिता की मेजबानी गोरखपुर करेगा। गुरुवार शाम रामगढ़ताल एक अलग स्वरुप में नजर आ रहा था। विस्तार और अपार जलराशि से लबरेज, योगी सरकार के प्रयासों से अनुपम छटा वाले इसी रामगढ़ताल में शनिवार से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत पांच दिन तक रोइंग प्रतियोगिता का रोमांच जवां होगा। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न प्रांतों के विश्वविद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने गुरुवार से गर्व से गौरव के उद्घोष के बीच पूर्वाभ्यास शुरू कर दिया। पूर्वाभ्यास शुरू करने से पहले खिलाड़ी काफी देर तक उत्सुकता से रामगढ़ताल का दीदार करते रहे। गुरुवार शाम सिंगल, डबल और चार की संख्या में खिलाड़ियों ने मुख्य प्रतियोगिता प्रारंभ होने से पूर्व अपनी तैयारियों की परख की।

रोइंग को पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में शामिल किया गया है। 27 से 31 मई तक चलने वाली रोइंग प्रतियोगिता में आए खिलाड़ियों की सभी सुख सुविधाओं के लिए शानदार इंतजाम किए गए हैं। 2 किमी व 500 मीटर की दूरी वाली प्रतियोगिता के लिए रामगढ़ ताल में चार लेन बनाए गए हैं।

रोइंग के प्रतियोगिता निदेशक सुधीर शर्मा ने मुताबिक रामगढ़ताल में जल क्रीड़ा कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों के भव्य स्वागत के साथ ही गोरखपुर में रोइंग प्रतियोगिता का रोमांच अभी से नजर आने लगा है। शनिवार, 27 मई से सुरम्य रामगढ़ताल में रोइंग प्रतियोगिता की धूम मचेगी।

अब तक रामगढ़ताल की पहचान सीएम योगी के प्रयास से निखरे पर्यटन स्थल की है, अब यह देश में वाटर स्पोर्ट्स के प्रमुख केंद्र के रूप में भी स्थापित होगा।

रोम में इटालियन कप फुटबॉल में जीत के बाद उत्साहित एफसी इंटर टीम ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुगर नियंत्रण के आसान नुस्खे

शरीर में होने वाली शुगर की बीमारी को मधुमेह कहा जाता है। इस बीमारी में खून में शुगर का स्तर बढ़ जाता है। ऐसा इंसुलिन की गड़बड़ी के कारण होता है। इंसुलिन शरीर में पाया जाने वाला ऐसा हॉरमोन है जो खून में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखता है।

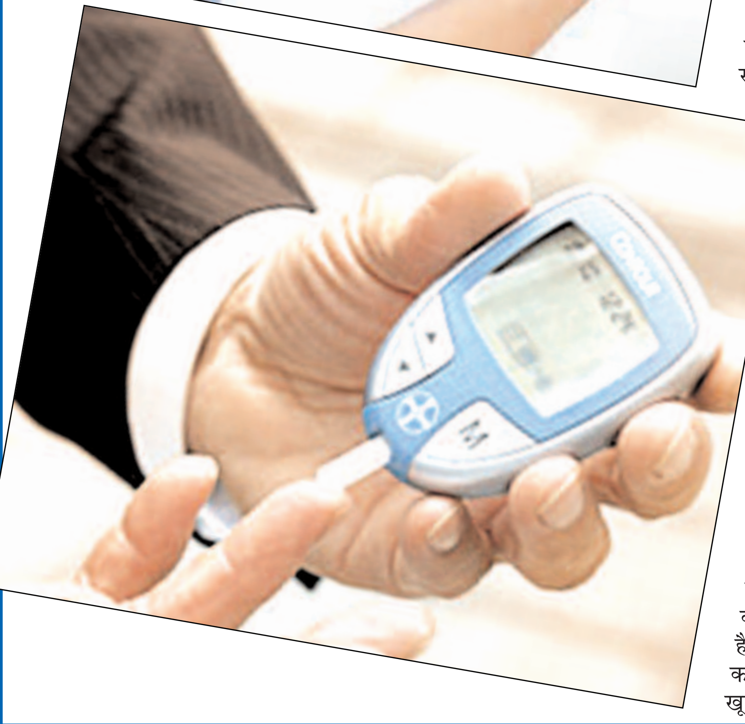

भागम-भाग की जिदंगी में ज्यादातर लोग स बीमारी के शिकार होते जा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी के शिकार होते जा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी का असली कारण तनाव और अनियंत्रित दिनचर्या है। इसके इलाज के लिए बाजार में अनेक दवाओं से लेकर इंसुलिन का इंजेक्शन तक मौजूद है लेकिन इनकी उपलब्ध और कीमतों को देखकर इन्हें वाजिब नहीं माना जा सकता। घरेलू नुस्खे और उसमें उपयोग आने वाले घरेलू चीजें सस्ती और इस मर्ज के लिए कारगर हैं। शुगर को कम करने वाली ये घरेलू चीजें और उसके नुस्खे निम्नलिखित हैं।

करेला

घर में अक्सर यह सलाह दी जाती है कि खून में शुगर के स्तर को कम करने के लिए करेले का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सलाह बेवजह नहीं है। इस सलाह के पीछे सार्थक वास्तविकता यह है कि करेला में ऐसे तत्व पाये जाते है जो स्वाद में तो कड़वे लगते है लेकिन खून के विकार भगाने में अव्वल है। शुगर इन्हीं विकारों में एक है।

दालचीनी

दालचीनी को शहद के साथ सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है जिससे शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है। इससे खून में शुगर का स्तर स्वतः गिर जाता है।

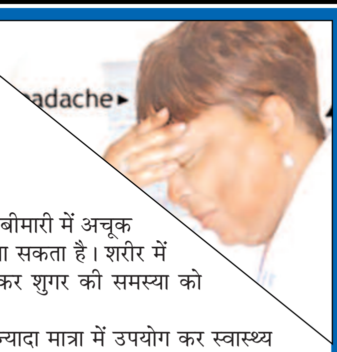

लहसुन

लहसुन को शुगर की बीमारी में अचूक इलाज के तौर पर लिया जा सकता है। शरीर में इंसुलिन के स्तर को बढ़ाकर शुगर की समस्या को लहसुन कम करता है।

लहसुन को खाने में ज्यादा मात्रा में उपयोग कर स्वास्थ्य को तंदरूस्त बनाया जा सकता है। सांस की बीमारी में यह लाभदायक है, यह तो सबको पता है।

मेथी

मेथी में पॉलीसैकेराईड, एल्केलॉयड कोलीन, सेपोनिन डायोसजोर्निन और येमोजेनिन बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। मेथी में पाये जाने वाले ये तत्व खून में शुगर और कोलेक्ट्रॉल की मात्रा को कम करते हैं। ●

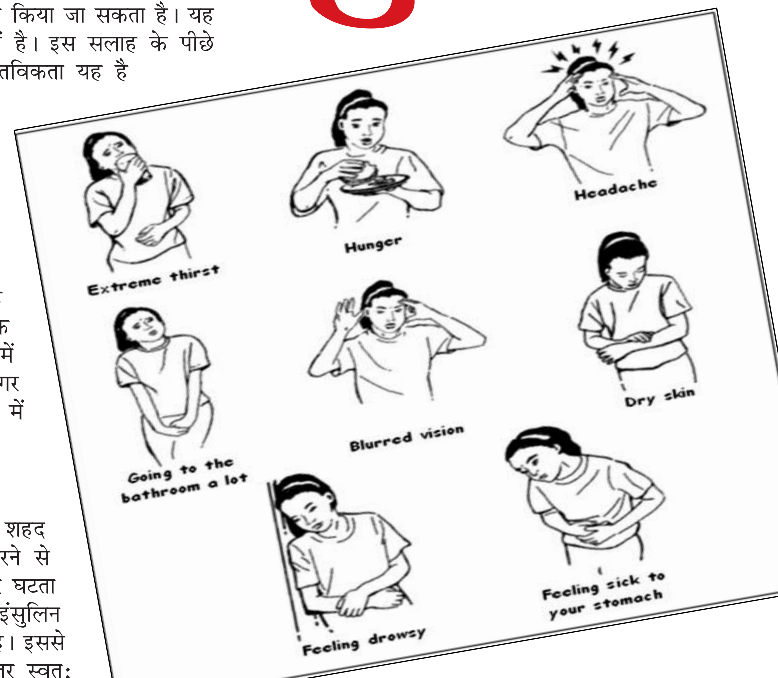

लाइलाज नहीं है बहरापन

भारत में प्रतिवर्ष 10 लाख ऐसे बच्चे जन्म लेते हैं जिनमें सुनने की क्षमता सामान्य से काफी कम होती है हालांकि स्क्रीनिंग के जरिये होने वाली बहरेपन की शुरूआती जांच तथा कोक्लर प्रत्यारोपण और थेरेपी से इस बीमारी को दूर किया जा सकता है। वरिष्ठ चिकित्सक बीके राव का कहना है कि भारत में सुन न पाने वाले बच्चे अक्सर गूंगेपन का शिकार हो जाते हैं और इसी वजह से वह ठीक से बोल नहीं पाते।

अंतर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन यह बताते हैं कि जिन बच्चों में बहरेपन का जन्म के छह से आठ महीने के अंदर पता चल जाता है उनका इलाज संभव है। उत्तर भारत में केवल सर गंगा राम अस्पताल में ही बहरेपन की स्क्रीनिंग की सुविधा है। अस्पताल में वर्ष 2007 से ही ये परीक्षण किये जा रहे हैं और अब तक 4578 बच्चों की स्क्रीनिंग की जा चुकी हैं।

बहरेपन की स्क्रीनिंग के बाद मरीज का कोक्लर इम्प्लांट और थेरेपी के द्वारा इलाज किया जाता है। इस इलाज के बाद ज्यादातर मरीज सामान्य व्यक्ति की तरह सुन पाने में सक्षम हो जाते हैं। कोक्लर इम्प्लांट दो तरीके का होता है जिसमें पहले में मरीज को छह से 12 लाख रुपए खर्च होते हैं। एक बार कोक्लर इंप्लांट हो जाने के बाद यह अस्सी वर्षों तक चलता है। ●

मोतियाबिंद देरी हो सकती है घातक

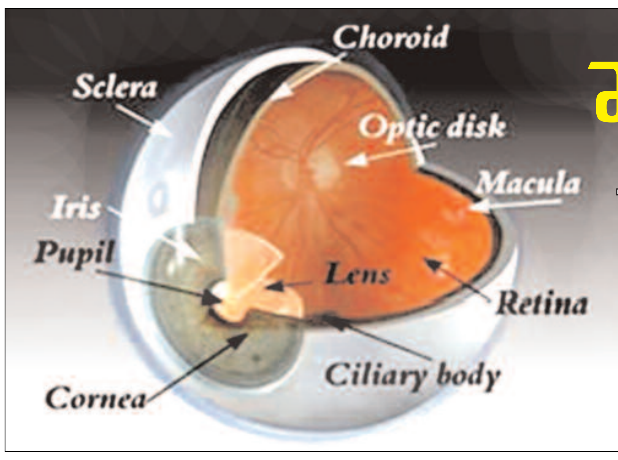

मोतियाबिंद आंख की एक प्रमुख बीमारी है, जो उम्र ढलने के साथ अपने लक्षण दिखाने लगती है। मोतियाबिंद को लेकर कई मत सामने आते हैं। समझदारी इसी में है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन इसके पकने के बाद ही कराएं। इसके साथ ही लोगों का यह भी मानना है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन हमेशा जाड़े में ही करवाना चाहिए, लेकिन यह बिल्कुल गलत धारणा है।

डॉक्टरों के मुताबिक मरीज को न तो इसके पकने का इंतजार करना चाहिए और न ही मौसम का। जब भी किसी को मोतियाबिंद की शिकायत हो इसका इलाज तुरंत करवा लेना चाहिए।

सर्जरी से होता है इलाज

सामान्यतः लोग मानते हैं कि मोतियाबिंद का इलाज लेजर से हो सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है। मोतियाबिंद का ऑपरेशन लेजर से नहीं किया जा सकता है। इसका एकमात्र इलाज सर्जरी है। इसकी सबसे सटीक और अत्याधुनिक तकनीक है फेकोइमल्सीफिकेशन। इसमें मरीज की आंख में एक लेंस लगा दिया जाता है। यह लेंस कई प्रकार की होते हैं।

- मोनो फोकल
- बाई फोकल
- मल्टी फोकल

डॉक्टरों की सलाह है कि मरीज को मल्टी फोकल लेंस ही लगाने चाहिए। इससे मरीज को बाद में चश्मे की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस ऑपरेशन में मात्र 15 से 20 मिनट लगते हैं।

चश्मे की जरुरत नहीं

आमतौर पर मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद चश्मे की जरूरत नहीं होती है, लेकिन पांच फीसदी मामलों में मरीज को चश्मे लगाने पड़ सकते हैं। डॉक्टरों की सलाह हे कि मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन करवाने में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और इसका इलाज शुरूआती दौर में ही करा लेना चाहिए। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद मरीज को बहुत ज्यादा सावधानियां भी नहीं बरतनी पड़ती है और एक दिन के अंतराल के बाद मरीज सामान्य रूप से देखने भी लगता है। ●

निरोगी बनाती है लौंग

लौंग के वृक्ष सुंदर और सुगंधित होते हैं। इसके पत्ते भी सुगंधित होते है। इसके फूल की कलियों को लौंग कहते है। बाजार में जो लौंग मिलते हैं, उनमें से बहुतों का तेल निकाला हुआ होता है। असली लौंग वही होता है, जिससे तेल न निकाला गया हो। भावप्रकाश के अनुसार लौंग चरपरी, कड़वी, नेत्र-हितकारी, शीतल, दीपन, पाचन, रूचिकारक तथा कफ, पित्त, रक्तरोग, प्या, मूर्च्छा , अफरा, दर्द, खांसी, हिचकी व क्षयरोग नाशक हैं। राजनिघंटु के अनुसार लौंग गरम, तीक्षण, पाक के समय मधुर, शीतवीर्य तथा त्रिदोष, आम, क्षय व खांसी नाशक है।

लौंग पाचन क्रिया पर सीधा प्रभावी है, जिससे भूख बढ़ती है, आमाशय की रसक्रिया को बल मिलता है और मन प्रसन्न होता है।

यह कृमिनाशक है। आमाशय और आंतों में रहने वाले सूक्ष्म जंतुओं के कारण पेट फूलता है, यह उन जंतुओं को यह नष्ट करता है। यह रक्त में श्वेतकणों को बढ़ाता है। इस गुण के कारण शरीर में रहने वाले रोगमूलक कीटाणुओं को नाश होता है।

यह चेतनाशक्ति जागृत करता है। इसका यह गुण ह्दय रक्तसंचार और तेजी से सांस लेने छोड़ने पर स्पष्ट दिखता है। इस कारण त्रिदोष और सन्निपात में दी जाने वाली औषधियों में इसको मिलाया जाता है। यह शरीर की दुर्गंध को नष्ट करता है। कफ, लार और मुंह से आने वाली दुर्गंध को दूर करने में उपयोग किया जाता है।

लौंग मूत्रल है, इस कारण यह मूत्रपिण्ड के मार्ग की शुद्धि करता है और शरीर के बाहरी भाग पर इसको लगाने से यह चेतनाकारक, वेदनानाशक, व्रणशोधक और व्रणरोपक हैं।

- **ज्वर:** लौंग और चिरायता बराबर मात्रा में लेकर पानी में घोटकर पिलाएं। इससे ज्वर और उसके बाद की निर्बलता मिटती है।
- **गठिया :** लौंग के तेल की मालिश से गठिया के दर्द में लाभ होता है।
- **सिरदर्द :** इसमें लौंग के तेल की माथे पर मालिश करें।
- **दांत का दर्द :** दांत दर्द में लौंग के तेल को दांत की कोचर में रखें।
- **सांस की दुर्गंध :** मुंह में लौंग रखने से से मुंह और सांस की दुर्गंध दूर होती है।
- **नेत्र रोग :** तांबे के पात्र में लौंग को पीसकर शहद मिलाकर आंखों के सफेद भाग के रोग मिटते हैं।
- **ह्दय में रक्तसंचार :** लौंग को ठंडे पानी में घोट-छानकर मिश्री मिलाकर पिएं।
- **कुकर खांसी :** लौंग को आग में भूनकर शहद मिलाकर चाटें।
- **अजीर्ण :** लौंग और हरड़ का गाढ़ा बनाकर उसमें थोड़ा-सा सेंधा नमक डालकर पिलाएं।
- **जी मिचलाना:** लौंग को पानी में घोटकर कुनकुना कर पिलाएं, इससे प्यास और जी मिचलाना मिटता है।
- **नासूर :** लौंग और हल्दी पीसकर लगाएं।
- **मात्रा:** लौंग की मात्रा 120 से 250 मि.ग्रा. तक की है। ●

प्राणायाम से पाएं दीर्घायु

वेद और योग में आठ प्रकार की वायु का वर्णन मिलता है, जिनमें जीव विचरण करते हैं। प्राण, अपान, समान आदि वायुओं से मन को रोकने और शरीर को साधने को अभ्यास करना अर्थात् प्राणों को आयाम देना ही प्राणायाम है। प्राणायाम का अर्थ होता है प्राणवायु या शक्ति का विस्तार। सबमें निहित है प्राणशक्ति। प्राणायाम करने से व्यक्ति अपनी आयु भी बढ़ा सकता है। प्राणायाम करने वाले व्यक्ति को कभी भी श्वांस में परेशान नहीं हो सकती। ●

मुस्कुराकर मिटाएं झुर्रियां

चेहरे की उम्र घटाना हो तो इसके लिए मुस्कराहट एक उत्तम व्यायाम है। सिर्फ इसीलिए नहीं कि मुस्कुराते हुए आप सुंदर तो दिखती ही हैं। साथ ही मुस्कुराने से चेहरे पर आती झुर्रियों को रोका भी जा सकता है, तो फिर मुस्कुराने के लिए हो जाइए तैयार। यह मुस्कराहट भरा व्यायाम करने के लिए होंठों के कोनों को कानों की ओर फैला कर स्लो मूवमेंट में मुस्कराना शुरू कीजिए। हर मूवमेंट के साथ अपनी मुस्कराहट कुछ चौड़ी कीजिए। यह करते हुए आप निचले होंठ और ठुड्डी को स्ट्रेच करने की कोशिश कीजिए। वैसे ही जैसे ई बोलने के लिए करती हैं। कम से कम कुछ मर्तबा यह व्यायाम कीजिए। ये व्यायाम मन शांत रखता है और इससे आपका चेहरा स्वतः ही खिल उठता है। चेहरे के व्यायाम के साथ-साथ मुस्कुराहट आपके मन को भी शांत रखने का कार्य करती है। इससे आपका उत्साह बना रहता है, आपके व्यक्तित्व में निखार आता है और आपका चेहरा स्वतः ही खिल उठता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फर्स्ट सिटिजन बैंक शेयर इंक ने 500 कर्मचारियों को निकाला

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका स्थित सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के नए मालिक फर्स्ट सिटिजन बैंक शेयर इंक ने लगभग 500 एसवीबी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, फर्स्ट सिटिजन के सीईओ फैंक होल्डिंग द्वारा सभी कर्मचारियों को भेजे गए एक ईमेल के अनुसार, नौकरी में कटौती में क्लाइंट-फेसिंग पोजीशन या भारत में कंपनी की सपोर्ट टीम का कोई भी सदस्य शामिल नहीं है। इसके अलावा, कंपनी के कर्मचारियों के लिए होल्डिंग की ओर से एक संदेश में कहा गया है, यह स्पष्ट है कि प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए हमें अपने दायरे और पैमाने को सही आकार देने के लिए निर्णय लेना चाहिए। जिन कर्मचारियों को हटा दिया गया, उन्हें मानव संसाधन कर्मचारियों के साथ बैठकों में सूचित किया गया था कि वे 9 जून तक बैंक द्वारा नियोजित रहेंगे। निदेशक स्तर के एक कर्मचारी के मुताबिक और छंटनी संभव है।

ऑस्ट्रेलिया में मारी गई भारतीय छात्रा की मां ने अदालत से मांगा न्याय

मेलबर्न । बेरहमी से मारी गई एक भारतीय नर्सिंग छात्रा की मां ने दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई अदालत से न्याय देने की मांग की है। छात्रा की मां ने अदातल को बताया कि वह अपनी बेटी की मौत से पीड़ित हैं और खूनी को कभी माफ नहीं करेंगी। नर्सिंग छात्रा की 2021 में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। जसमीन कौर को 23 वर्षीय तारिकजोत सिंह ने 2021 में नॉर्थ प्लायम्टन में उसके वृद्ध देखभाल कार्यस्थल से पीछा किया और अपहरण कर लिया और फ्लिंडर्स रेंज में ले जाया गया, जहां उसकी हत्या कर दी गई और एक उथली कब्र में दफन कर दिया गया। पीड़िता की मां रशपाल कौर गठवाल के मुताबिक तारिकजोत सिंह, जिसे इस साल फरवरी में हत्या के लिए दोषी ठहराया था, जसमीन कौर के प्रति आसक्त था और उससे शादी करना चाहता था। मीडिया आई खबर के अनुसार रशपाल कौर ने एक पीड़ित प्रभाव बयान में अदालत को बताया कि उनकी बेटी जसमीन कौर ने अपने अंतिम क्षणों में जो कुछ सहा, उसके बारे में सोच कर उन्हें पीड़ा हुई। शोकाकुल मां ने अदालत को बताया, उसे बचाने वाला कोई नहीं था, उसने अपना आखिरी समय इस धरती पर मानवता के सबसे खराब समय के साथ बिताया। रशपाल कौर ने अदालत को बताया कि तारिकजोत सिंह जसमीन कौर के प्रति आसक्त था, जिसने उसे सौ बार मना कर दिया था, और उसने जो किया उसके लिए वह उसे कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा, आप एक मानव जीवन को इतना सस्ता कैसे मान सकते हैं? आपने मेरी बेटी के साथ ऐसा व्यवहार किया जैसे वह कुछ भी नहीं थी और उसे (यदि) बकवास समझकर निपटा दिया। बता दें कि जसमीन कौर एडिलेड में अपने रिश्तेदारों के साथ रह रही थी और नर्स बनने की पढ़ाई के दौरान वृद्ध देखभाल कार्यकर्ता के रूप में काम कर रही थी। उसके लापता होने की सूचना दी गई, जब उसके नियोक्ता ने उसके परिवार को शिफ्ट से उसकी अनुपस्थिति के बारे में पूछने के लिए बुलाया। पुलिस के अनुसार, जसमीन कौर को 5 मार्च, 2022 की रात 10 बजे से ठीक पहले नॉर्थ प्लायम्प्टन के सदर्न क्रॉस होम्स में अपनी शिफ्ट खत्म करने के बाद एक व्यक्ति द्वारा बलपूर्वक ले जाया गया। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में हत्या के लिए न्यूनतम 20 वर्ष की गैर-पैरोल अवधि अनिवार्य है।

अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए एक नई वीजा नीति की घोषणा की

ढाका । अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बांग्लादेश के लिए एक नई वीजा नीति की घोषणा की है, जिसमें उन लोगों को यात्रा की मंजूरी नहीं दी जाएगी, जिन पर जनवरी 2024 में दक्षिण एशियाई देश में होने वाले चुनाव में व्यवधान पैदा करने की आशंका है। ब्लिंकन ने कहा, स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांति पूर्ण आम चुनाव करने के बांग्लादेश के लक्ष्य को समर्थन देने के वास्ते आज मैं आव्रजन तथा राष्ट्रीयता अधिनियम की धारा 212(ए)(3)(सी)(3सी) के तहत नई वीजा नीति की घोषणा कर रहा हूं। उन्होंने कहा, इस नीति के तहत अमेरिका इसतरह के किसी भी बांग्लादेशी नागरिक को वीजा देने में पांबदी लगा सकता है, जिसके बारे में अमेरिकी प्रशासन को लगता है कि वह बांग्लादेश में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने में बाधा डाल सकता है।'' ब्लिंकन ने कहा कि वर्तमान और पूर्व बांग्लादेशी अधिकारी, सरकार समर्थक और विपक्षी राजनीतिक दलों के सदस्य, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, न्यायपालिका और सुरक्षा सेवाओं के सदस्य नई नीति के दायरे में आ सकते हैं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, अमेरिका ने तीन मई को बांग्लादेशी सरकार को इस निर्णय से अवगत करा दिया था। इस बीच बांग्लादेश का मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनावों के लिए एक गैर-दलीय कार्यवाहक सरकार को बहाल करने के उद्देश्य से एकअभियान चला रहा है। बीएनपी का कहना है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन में कोई भी चुनाव स्वतंत्र नहीं हो सकता।

सऊदी अरब और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध बहाल

टोरंटो । सऊदी अरब और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध बहाल हो गए हैं। दोनों देशों के बीच एपेक समिट के दौरान सहमति बनी है। सऊदी अरब और कनाडा के बीच 5 साल पहले दरार पैदा हो गई थी। कनाडा और सऊदी अरब ने पूर्ण राजनयिक संबंधों को बहाल करने और नए राजदूतों को नियुक्त करने पर सहमति व्यक्त कर ली है। दोनों देशों ने कहा कि 2018 के विवाद को समाप्त किया गया है, जिसने संबंधों और व्यापार को नुकसान पहुंचाया। कनाडा और सऊदी अरब के बयानों के अनुसार, पिछले साल नवंबर में बैंकॉक में एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपेक) फोरम के शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। बयानों में कहा गया है कि यह निर्णय दोनों पक्षों की आपसी सम्मान और सामान्य हितों के आधार पर दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को बहाल करने की इच्छा से उपजा है।

बोलिविया की संसद में महिला सांसदों के बीच में चले लात घूंसे

लापाज। दक्षिण अमेरिका के बोलिविया की संसद में महिला सांसदों ने जमकर एक दूसरे के बाल खींचे। एक दूसरे को लात घूंसे से मारा। संसद के अंदर महिला सांसदों ने अपना जिस तरह से शक्ति प्रदर्शन किया। उसको देखकर सभी हैरान रह गए। विपक्षी सांसद बैनर लेकर सदन के अंदर हंगामा कर रहे थे। सत्ता पक्ष उनसे भिड गया। दोनों पक्षों में काफी देर तक हाथापाई और जूतम पैजार होती रही। सरकार की ओर से जो रिपोर्ट पेश की गई थी। महिला सांसद उसका विरोध कर रही थी। उसका जवाब देने के लिए सत्ता पक्ष की महिला सांसद भी सदन में आकर एक दूसरे को मारने पीटने लगे।

अरबपति युवक ने की समलैंगिक शादी, दो घंटे बाद ग्राउंड फ्लोर मिले मृत

-किशोर की मां ने लगाया हत्या का आरोप

-विरासत में छोड़ गया अरबों कर संपत्ति

ताइपे । ताइवान से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां विरासत में मिले अरबों रुपये के मालिक 18 वर्षीय युवक की शादी के दो घंटे बाद ही मौत हो गई। कथित तौर पर युवक ने उस शख्स से शादी की, जिससे उसकी दो बार ही मुलाकात हुई थी। युवक को अपने विरासत में पिता से 500 मिलियन डॉलर की संपत्ति मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 18 वर्षीय लाई 4 मई को 10 मंजिला आवासीय इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर मृत पाया गया था। जांच के दौरान यह पता चला कि यह वही इमारत थी, जहां उसके रियल एस्टेट एजेंट सहायक हसिया भी रहते थे। विशेष रूप से 26 वर्षीय हसिया और लाई ने अपनी मौत से दो घंटे पहले कानूनी रूप से अपनी शादी का पंजीकरण कराया था। हसिया और लाई के पिता रियल एस्टेट एजेंट थे। हसिया मृतक लाई के पिता को अपनी संपति को मैनेज करने में मदद भी की और फिर उनके बेटे लाई के साथ मिलकर काम कर रहे थे। ताइवानी मीडिया द्वारा 19 मई को मौत को प्रकाश में लाया गया था, जब किशोर की मां, जिसका उपनाम चेन था, उन्होंने अपने वकील के साथ मध्य ताइवान के ताइचुंग शहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बेईमानी का आरोप लगाते हुए उन्होंने मौत की परिस्थितियों पर सवाल उठाया।

ईरान में एक अज्ञात स्थल से चौथी पीढ़ी की खोरमशहर बैलास्टिक मिसाइल दागी गयी। इसकी मारक क्षमता 2000 किमी है।

टीपू सुल्तान की जिस तलवार को भगोड़े माल्या ने बताया था मनहूस, 143 करोड़ रुपये में लंदन में हुई नीलाम

वाशिंगटन । मैसूर के 18वीं सदी के शासक टीपू सुल्तान की बेडचैंबर तलवार लंदन के एक नीलामी घर बोनहम्स इस्लामिक एंड इंडियन आर्ट सेल में 1.4 करोड़ पाउंड (17.4 मिलियन डॉलर या 143 करोड़ रुपये) में बिकी है। यह एक भारतीय और इस्लामी वस्तु के लिए एक नया नीलामी विश्व रिकॉर्ड है। बोनहम्स द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तलवार

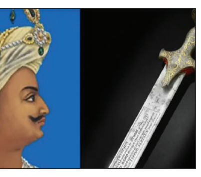

का अनुमान लगभग 1,500,000-2,000,000 पाउंड था। बोनहम्स ने आगे कहा कि शासक के साथ एक सिद्ध व्यक्तिगत संबंध के साथ तलवार सबसे महत्वपूर्ण हथियार थी। इस्लामी और भारतीय कला और नीलामी के बोनहम्स प्रमुख ओलिवर व्हाइट ने कहा यह शानदार तलवार टीपू सुल्तान से जुड़े उन सभी हथियारों में सबसे महान है जो आज भी निजी हाथों में हैं। सुल्तान के साथ इसका घनिष्ठ व्यक्तिगत जुड़ाव, इसकी त्रुटिहीन उत्पत्ति, जिस दिन इसे पकड़ा गया था, और उत्कृष्ट शिल्प कौशल जो इसके निर्माण में चला गया, इसे अद्वितीय और अत्यधिक वांछनीय बनाता है। बता दें एक समय था जब विजय माल्या को ऐतिहासिक महत्व की चीजों का कलेक्शन करने का शौक था। एक इतिहास की शोधकर्ता ने इस बात की पुष्टि की, कि भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने इस तलवार को 2004 की एक नीलामी में 1.5 करोड़ में खरीदा था।

पाकिस्तान छोड़कर नहीं जा सकेंगे इमरान, नो फ्लाई लिस्ट में शामिल हुए पूर्व पीएम समेत पीटीआई के 80 सदस्य

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 80 अन्य सदस्यों को नो फ्लाई लिस्ट में डाल दिया गया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सैन्य प्रतिष्ठानों पर उनके समर्थकों द्वारा किए गए हमलों के बाद विकास उनके राजनीतिक दल पर संभावित प्रतिबंध की अटकलों के बीच आया है। बुधवार को इमरान खान ने पाकिस्तान के लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि उनकी पार्टी पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जा रही है।

25 मई को इमरान खान ने ट्विटर पर आरोप लगाया कि पाकिस्तान सरकार पार्टी को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि आज सबसे बड़ी और एकमात्र संघीय पार्टी बिना किसी जवाबदेही के राज्य सत्ता के पूर्ण रोष का सामना कर रही है। 10,000 से अधिक पीटीआई कार्यकर्ता और समर्थक वरिष्ठ नेतृत्व सहित जेल में हैं और कुछ हिरासत में यातना का सामना कर रहे हैं। अपने पहले के एक संबोधन में इमरान खान ने कहा था कि वह आज सत्ता में रहने वाले किसी भी व्यक्ति

के साथ बातचीत के लिए एक समिति गठित करने के लिए तैयार हैं। 9 मई को अर्धसैनिक रेंजरों द्वारा खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे।

इस महीने की शुरुआत में पीटीआई समर्थकों के व्यापक हिंसा में शामिल होने के लिए इमरान खान आलोचना का सामना कर रहे हैं। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय सहित कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर भीड़ ने हमला किया। पुलिस ने हिंसक झड़पों में मरने वालों की संख्या 10 बताई है।

आईएसआई का पूर्व प्रमुख फैज हमीद है भ्रष्टाचार का मास्टरमाइंड

- इमरान खान को पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दी क्लीन चिट, हो सकता है कोर्ट मार्शल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के एक पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व प्रमुख फैज हमीद पर बड़ा आरोप लगाया। फैसल वावड़ा ने दावा किया कि फैज हमीद भ्रष्टाचार के उस मामले के प्रमुख साजिशकर्ता और सबसे बड़े लाभार्थी हैं, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान फिलहाल फंसे हुए हैं। गौरतलब है कि फैसल वावड़ा, 2018 से 2021 तक इमरान खान के कार्यकाल में जल संसाधन मंत्री थे। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि आज यह जरूरी हो गया है कि मैं देश को बताऊं कि भ्रष्टाचार मामले में फंसे इमरान खान लाभार्थी नहीं हैं बल्कि सबसे बड़े लाभार्थी फैज हमीद हैं। उन्होंने कहा, वह (हमीद) अल-कादिर ट्रस्ट मामले को पैदा करने वाले, प्रमुख साजिशकर्ता और सबसे बड़े लाभार्थी थे। हमीद पाकिस्तानी सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल और पूर्व जासूस हैं, जिन्होंने इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के 24वें महानिदेशक के रूप में कार्य किया था। वह 2019 से 2021 तक आईएसआई

के शीर्ष पर रहे और दिसंबर 2022 में इस्तीफा दे दिया।

सूत्र बताते हैं कि फैज हमीद को इमरान खान का करीबी माना जाता है और उनकी नियुक्ति को लेकर ही सेना और उनके बीच विवाद पैदा हुआ था। आने वाले दिनों में इमरान की मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ सकती हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को कहा कि सरकार इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के खिलाफ पाबंदी लगाने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री की गिरफ्तारी के बाद सैन्य प्रतिष्ठानों पर खान के समर्थकों के हमलों के बाद यह कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने मीडिया से कहा, अगर सरकार पूर्व में सत्तारूढ़ रहे इस दल पर प्रतिबंध लगाने का फैसला करती है तो इसे मंजूरी के लिए संसद को भेजा जाएगा।

बाइडेन ने ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीज व पापुआ न्यू गिनी के पीएम मारापे को दिया न्योता

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आगामी बैठक के लिए बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे को न्योता दिया है। हिंद-प्रशांत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के निदेशक ने यह जानकारी दी। बाइडेन की तरफ से दोनों देशों के शीर्ष नेताओं को यह बुलावा ऐसे समय में भेजा गया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों की यात्रा के दौरान अल्बनीज और मारापे से मुलाकात की थी। डॉ. मीरा रैप-हूपर ने कहा कि बाइडेन ने अल्बनीज को अमेरिका आने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अल्बनीज ने बाइडेन का न्योता स्वीकार कर लिया और दोनों नेताओं ने आगामी मुलाकात को लेकर चर्चा की। इससे पहले दोनों नेता जी-20 की बैठक के दौरान हिरोशिमा में मिले थे। हमारी टीम पहले से ही यात्रा के लिए योजना बनाने की कोशिश शुरू कर चुकी है। मारापे के बारे में बात करते हुए हूपर ने कहा कि बाइडेन ने उन्हें वॉशिंगटन में होने वाले दूसरे प्रशांत शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका आमंत्रित किया है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का सदस्य है भारत

मॉस्को (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की जंग के बाद भारत और रूस के संबंध बदल रहे हैं, जबकि

भारत और रूस के संबंध दोनों देशों की विदेश नीति के एक अहम स्तंभ है। भारत हमेशा से रूस को एक विश्वसनीय साझेदार मानता रहा है। अब ये रिश्ते बदल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूस ने भारत को ऊर्जा और हथियारों की डील कैंसिल करने की धमकी दी है। जून तक रूस के फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ब्लैकलिस्ट में आने की संभावना है। रूस ने इस लिस्ट में आने से बचने के लिए भारत से मदद की मांग की है। मदद न करने पर या इसमें असफल रहने पर उसने भारत को सभी तरह की डील रद्द करने की धमकी भी दे दी है।

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार अलग-थलग पड़े रूस ने भारत से मदद की गुहार लगाई है। एफएटीएफ की तरफ से पड़ा दबाव अब रूस की धमकी के रूप में सामने आ रहा है। एफएटीएफ मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकियों की फाइनेंसिंग पर प्रतिबंध लगाने वाला संगठन है। जून में इसकी एक मीटिंग होनी है, जिसमें रूस पर प्रतिबंध पर फैसला हो सकता है। भारत इसका सदस्य है और फरवरी 2022 में जब यूक्रेन के साथ जंग शुरू हुई तो एफएटीएफ ने रूस की सदस?यता खत्म कर दी थी। अब ऐसे में वह उन देशों से मदद मांग रहा है जो उसे ब्लैकलिस्ट होने से बचा सकें।

एफएटीएफ ने बैन लगाया तो रूस उत्तर कोरिया, ईरान व म्यांमार की श्रेणी में होगा

रूस यूक्रेन जंग के कारण रूस पर पहले से ही काफी प्रतिबंध लगे हुए हैं। अगर ऐसे में एफएटीएफ की तरफ से इसे ब्लैकलिस्ट किया जाता है तो फिर रूस, उत्तर कोरिया, ईरान और म्यांमार की ही श्रेणी में आ जाएगा। अगर रूस ब्लैकलिस्ट हुआ तो फिर एफएटीएफ के सदस्य, बैंक, निवेश कंपनियां और पेमेंट सिस्टम को सावधानी बरतनी होगी।

फ्रांस के बास्टिल-दिवस परेड में मुख्य अतिथि होंगे पीएम मोदी

-14 जुलाई को आयोजित होगा राष्ट्रीय दिवस

-भारतीय सेना भी दिखाएगी अपना दम

पेरिस/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल फ्रांस के पेरिस में 14 जुलाई को बास्टिल दिवस परेड के विशिष्ट अतिथि होंगे। यह जानकारी नई दिल्ली में फ्रांसीसी दूतावास ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस की परेड में शामिल होने वाले भारत के दूसरे प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले फ्रांस सरकार ने 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। यह फ्रांस में लोकक्रांति व्यवस्था के लिए 18वीं शताब्दी में हुए विप्लव की एक प्रमुख घटना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

ईसवी साल 1789 में 14 जुलाई के दिन आंदोलनकारियों ने बास्टिल सैन्य दुर्ग और कारावास पर धावा बोलकर कई बंदियों को छुड़ा लिया था। इस घटना से फ्रांसीसी क्रांति को गति मिली। नई दिल्ली में फ्रांस के दूतावास ने लिखा है कि 14 जुलाई फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस है। यह फ्रांस की क्रांति से जुड़ा है। इस अवसर पर फ्रांसीसी लोग ''स्वाधीनता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों का उत्सव मनाते हैं, क्योंकि ये मूल्य उन्हें एकजुट करते हैं। ये मूल्य भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भी निहित हैं। इस अवसर पर पेरिस में भव्य सैन्य परेड आयोजित की जाती है।

दूतावास ने कहा है कि पेरिस में पीएम मोदी की उपस्थिति दोनों देशों के लिए ऐसे समय एक विशेष महत्व की है, जबकि भारत और फ्रांस द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी के 25 साल पूरे होने की खुशी मना रहे हैं। पेरिस की इस बार की बास्टिल-दिवस परेड में भारत की सैन्य टुकड़ियां भी भाग लेंगी, भारतीय लड़ाकू जेट भी मार्च करेंगे। दूतावास ने यह भी कहा है कि दोनों देशों ने अच्छे और बुरे हर दौर में एक-दूसरे का साथ दिया है।

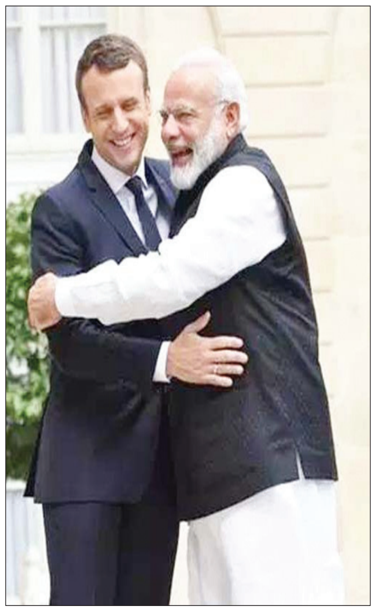

भारत के साथ सबसे अहम प्राथमिकताओं पर काम करता है अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका की आधिकारिक यात्रा से पहले कहा कि अमेरिका सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर भारत के साथ मिलकर काम करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के साथ हमारी साझेदारी अहम है। हम अपनी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर भारत के साथ मिलकर काम करते हैं। मिलर ने कहा कि उन्हें यह उम्मीद है कि भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा करने और साझा चिंता के मामलों पर काम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी की आगामी यात्रा के बारे में किए गए सवालों पर मिलर ने अधिक जानकारी दिए बिना कहा कि निश्चित रूप से यूक्रेन में युद्ध उन विषयों में से एक होगा जिन पर चर्चा की जाएगी।

प्रवक्ता मिलर ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई पिछली बैठकों में भी चर्चा के विषयों में से एक रहा है। अमेरिका स्पष्ट रूप से वीजा में देरी को चिंता का विषय मानता है और कांसुलर दल भारत में जितना संभव हो उतनी तेजी से वीजा आवेदनों पर कार्रवाई करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और मुझे पता है कि यह देश में हमारे दूतावास के लिए भी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका की आधिकारिकयात्रा पर आएंगे। इस दौरान वह अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन की ओर से 22 जून 2023 को आयोजित राजकीय रात्रिभोज में भी शामिल होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम सरमा का कांग्रेस पर आरोप, सेंगोल के अपमान में पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की अहम भूमिका

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने नई संसद में स्पीकर की सीट के पास स्थापित होने वाले पांच फीट लंबे राजदंड को वॉकिंग स्टिक के रूप में रिलीगेट करके हिंदू परंपराओं के प्रति उपेक्षा प्रदर्शित की है। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अहम भूमिका है। औपचारिक राजदंड को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड माउंटबेटन ने अगस्त 1947 में अंग्रेजों से भारत में सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में नेहरू को सौंप दिया था। इस राजदंड को बाद में इलाहाबाद संग्रहालय की नेहरू गैलरी में रखा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उसी सेंगोल को 28 मई को रिसीव कर नए संसद भवन में स्थापित करने वाले हैं। सेंगोल हमारी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग था, लेकिन पंडित नेहरू की महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद वामपंथियों ने इसे एक संग्रहालय के कोने में वॉकिंग स्टिक के रूप में चित्रित किया। उन्होंने कहा कि एक और उदाहरण है कि कैसे एक पूरे इको-सिस्टम ने इतिहास की किसी भी घटना को सेंसर कर दिया, जिसने प्राचीन भारत और हिंदू रीति-रिवाजों का महिमामंडन किया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने पहले कहा था कि राजदंड को उसका सही स्थान दिया गया है।

मुंबई में केजरीवाल ने की एनसीपी प्रमुख पवार से मुलाकात

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मिलने के एक दिन बाद, सीएम अरविंद केजरीवाल गुरुवार को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण केंद्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। आप के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप सांसद राघव चड्ढा, दिल्ली की मंत्री आतिशी और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद रहे। दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल लगातार विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। केजरीवाल का यह दौरा कोलकाता से शुरू हुआ है। उन्होंने सबसे पहले सीएम ममता से मुलाकात की थी। इसके बाद वह मुंबई पहुंचे थे। बुधवार को केजरीवाल ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी। मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से उनके आवास पर हुई मुलाकात के बाद केजरीवाल ने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर राज्य सरकारों को गिराया जा रहा है। वहीं, उद्धव ने केजरीवाल से मुलाकात के बाद भाजपा पर निशाना साधकर कहा कि हम उन ताकतों को हराने के लिए एक साथ आए हैं, जो लोकतंत्र के खिलाफ हैं।

उड़ान भरते ही पक्षी से टकराया इंडिगो का विमान...सभी यात्री सुरक्षित

मेंगलुरु। मेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (एमआईए) के रनवे पर दुबई जा रहे एक विमान से गुरुवार सुबह पक्षी टकरा गया, जिसके बाद उड़ान रद्द करनी पड़ी। एयरपोर्ट के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े 8 बजे की है। दरअसल पक्षी विमानन कंपनी 'इंडिगो के विमान के पर से टकरा गया, जो उड़ान भरने को तैयार था। पायलट ने तुरंत हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को सूचित कर उड़ान रद्द करा दी। घटना के बाद 160 यात्रियों को विमान से उतारा गया। इस घटना से हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। बाद में, यात्रियों को बेंगलुरु से आए दूसरे विमान से दुबई ले जाने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि तकनीकी विशेषज्ञ विमान का निरीक्षण कर रहे हैं। एमएआई के अधिकारियों ने बताया कि उड़ान 6ई1467 (जिसे सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर उड़ान भरनी थी) 'टैक्सीवे से रनवे में प्रवेश करते ही एक पक्षी से टकरा गई। पायलट ने एटीसी को इसकी सूचना दी और सुबह साढ़े आठ बजे विमान 'एप्रन (विमानों को खड़े किए जाने की जगह) पर लौट आया। इसके बाद सभी यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। इसके बाद इंडिगो ने उन 165 यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था की है, जिन्हें उड़ान संख्या 6ई5347 से (सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर) बेंगलुरु जाना था। दुबई के लिए विमान पूर्वाह्न 11 बजकर पांच मिनट पर रवाना हुआ।

सीरियल किलर रविंद्र कुमार को आजीवन कारावास की सजा

–करीब 30 बच्चों से दरिंदगी की बात कबूली

नई दिल्ली। बच्ची से दुष्कर्म व हत्या मामले में गुरुवार को सीरियल किलर रविंद्र कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। रविंद्र को यह सजा अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुनील कुमार की कोर्ट ने सुनाई है। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने वर्ष 2008 से 2015 तक करीब 30 बच्चों से दरिंदगी की बात कबूली है। रविंद्र छठी फेल है। वह शराब व नशे का आदी है। रविंद्र ने बचपन में एक अंग्रेजी फिल्म देखी थी, जिसमें तीन लोग बच्चों की हत्या कर उनसे कुकर्म या दुष्कर्म करते थे। यह फिल्म देखने के बाद वह भी शराब पीकर व उसके बाद सूखा नशा (साल्यूशन व व्हाइटनर आदि) करके बच्चों को अपनी हवस का शिकार बनाता गया। तीस में से 14 आपराधिक मामलों को वह दिल्ली के कंझावला, समयपुर बादली, निहाल विहार, मुंडका, नरेला आदि इलाकों में अंजाम दे चुका था। पुलिस जब आरोपित को वारदात की जगहों पर लेकर गई थी, तब कुछ जगह साक्ष्य नष्ट हो चुके थे व कुछ जगह साक्ष्य मिले थे। रविंद्र 2008 में अंग्रेजी हारर मूवी (डरावनी फिल्म) देखकर हैवान बना। फिल्म देखने के बाद उसने पहली वारदात को अंजाम दिया। अपने गुनाह को कबूल करने वाला रविंद्र इतना हैवान है कि वह बच्चों को मारने के बाद उनके शवों के साथ भी गलत काम करता था। यह बात उसने खुद मीडिया के सामने स्वीकार की थी। आरोपित ज्यादातर गरीब परिवारों के बच्चों को अपना शिकार बनाता था।

स्टालिन का केंद्रीय मंत्री शाह को पत्र, अमूल से कहे तमिलनाडू से दूध नहीं खरीदें

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने गुरुवार को कहा कि कैरा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ यानि अमूल तमिलनाडु कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लिमिटेड या आविन के अधिकार क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है। स्टालिन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में उनसे अमूल को आविन के मिल्क-शेड क्षेत्र से दूध नहीं खरीदने का निर्देश देने की अपील की है। स्टालिन ने अमूल द्वारा कृष्णागिरी जिले में चिलिंग सेंटर और एक प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने और राज्य में कृष्णागिरी, धर्मपुरी, वेल्लोर, रानीपेट, तिरुपथुर, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर और उसके आसपास दूध खरीदने की योजना का उल्लेख किया। स्टालिन ने कहा, भारत में यह एक परंपरा रही है कि सहकारी समितियों को एक-दूसरे के मिल्क-शेड क्षेत्र का उल्लंघन किए बिना फलने-फूलने दिया जाए। इस तरह की क्रॉस-प्रोक्योरमेंट ऑपरेशन व्हाइट फ्लड की भावना के खिलाफ है और मौजूदा दूध की कमी को देखते हुए उपभोक्ताओं के लिए समस्याएं बढ़ाएगी। आविन के मिल्कशेड क्षेत्र का अमूल उल्लंघन कर रहा है, जिसे दशकों से सच्ची सहकारी भावना से पोषित किया गया है। यहां तक कि राज्य में कई निजी डेयरी आविन के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, स्टालिन ने कहा कि इसतहर अमूल के कदम से दूध और दूध उत्पादों की खरीद और विपणन में लगी सहकारी समितियों के बीच खराब प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। स्टालिन ने कहा, क्षेत्रीय सहकारी समितियां राज्यों में डेयरी विकास की रीढ़ रही हैं और वे उत्पादकों को शामिल करने और उनका पोषण करने और मनमानी मूल्य वृद्धि से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। इस बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पीएमके नेता अंबुमणि रामदास ने कहा कि अमूल आंध्र प्रदेश के श्रीसिटी में एक प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित कर रहा है और तमिलनाडु में प्रतिदिन लगभग 30,000 लीटर दूध खरीदने का उसका लक्ष्य है।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई दिल्ली की मंडोली जेल में शिफ्ट

नई दिल्ली। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को गुरुवार तड़के साबरमती जेल से दिल्ली की मंडोली जेल में शिफ्ट किया गया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने कहा कि बिश्नोई को मंडोली जेल में बंद करने का फैसला सुरक्षा कारणों से लिया गया है। 2 मई को 33 वर्षीय गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को तिहाड़ जेल में हमलावरों ने 90 से अधिक बार चाकू मारकर उनकी हत्या कर दी थी।

'ताकतवर देश बनकर उभर रहा भारत', धर्मेंद्र प्रधान बोले- नकारात्मक मानसिकता छोड़कर प्रजातंत्र के महायज्ञ में शामिल हो विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में नई संसद के उद्घाटन को लेकर राजनीतिक बवाल छिड़ा हुआ है। 20 से ज्दादा विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे इसके उद्घाटन को लेकर अपना विरोध जताया और समारोह को बहिष्कार करने की बात कही है। नई संसद का उद्घाटन 20 मई को होना है। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विपक्ष को इसमें शामिल होने की बात कही है। प्रधान ने कहा कि 21वीं सदी में अमृत काल में नए संसद भवन का लोकार्पण क्क्रमोदी के हाथों से होने वाला है। वो इस पीढ़ी के लिए सबसे स्मरणीय दिन होने वाला है। आज दुनिया में सबसे ताकतवर देश बनकर भारत उभर रहा है।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह सबके लिए गौरव का क्षण होगा.. हम अपील कर रहे हैं कि वो(विपक्ष) नकारात्मक मानसिकता छोड़कर प्रजातंत्र के इस महायज्ञ में शामिल हो। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों को संसद की कदर नहीं है। वे लगातार संसद को बाधित कर रहे हैं। वे संसद में बोलने के सदस्यों के अधिकारों को बाधित कर रहे हैं। उन्हें संसद का बिल्कुल भी सम्मान नहीं है। उद्घाटन का दिन देश के लिए महत्वपूर्ण है और वो (विपक्ष) इसमें राजनीति कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि विपक्षी दलों ने संविधान से कुछ अनुच्छेद बोले और उस आधार पर हमें सलाह दे रहे। पुरी ने कहा कि उस समय भी इंदिरा गांधी ने (संसद के उपभवन के उद्घाटन के दौरान) किया था। आपके पास अपने लिए अलग मानक हैं और दूसरों के लिए अलग। यह देश और किसी भी व्यक्ति के जीवन में एक बार आने वाला क्षण है। फुटनोट में कहीं लिखा जाएगा कि इन लोगों द्वारा संसद भवन के खुलने के कार्यक्रम का बहिष्कार किया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह लोकतंत्र का मंदिर है, यहां तक ??कि प्रधानमंत्री भी इसके कदमों पर झुककर संसद में प्रवेश करते हैं। मैं विपक्ष से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि

कृपया पुनर्विचार करें और समारोह में हिस्सा लें।

पहली बार देश के पास पूरी तरह अपना संसद भवन होगा : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मौजूदा संसद भवन वास्तव में एक 'काउंसिल हॉल' है, और पहली बार देश के पास पूरी तरह अपना संसद भवन होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने पत्रकार से चर्चा करते हुए यह कहा। फडणवीस ने कहा, ''किसी को भी यह भूलना नहीं चाहिए कि मौजूदा संसद भवन असल में एक काउंसिल हॉल है। पहली बार भारत के पास पूरी तरह अपना संसद भवन होने जा रहा है।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जब राज्य प्रमुखों ने संबंधित राज्यपालों को आमंत्रित करने के बजाय खुद महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों का उद्घाटन किया। फडणवीस ने पूछा, ''जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संसदीय सौध का उद्घाटन किया और राजीव गांधी ने संसद परिसर में पुस्तकालय की आधाशिला रखी, तब क्या यह लोकतांत्रिक नियमों के विरुद्ध था।

हम सीमा पर दोहरे खतरे का सामना कर रहे, इसकारण हमारी सेना का तकनीकी रुप से आधुनिक होना जरुरी: सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज हम दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक हैं, हमारी सेना के शौर्य और पराक्रम की चर्चा पूरी दुनिया में होती है। इसके बाद अनिवार्य होता है, कि देश के हितों की सुरक्षा करने के लिए हमारे पास एक तकनीकी रूप से एडवांस सेना हो।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत जैसे देश के लिए तब यह इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि हम अपनी सीमाओं पर दोहरे खतरे का सामना कर रहे हैं। पूरी दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए, हमारा टेक्नोलॉजी के दृष्टिकोण में एडवांस होना बहुत आवश्यक है।

रक्षामंत्री ने कहा कि आज हमारे सामने भी कई बड़ी-बड़ी चुनौतियां दिखती हैं। बात जब देश की रक्षा की आती है, तब यह चुनौतियां और व्यापक हो जाती है। इन चुनौतियों से कोई संस्थान अकेले नहीं निपट सकता। इन चुनौतियों से निपटने के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण काम हम कर सकते हैं, वह है सामूहिक प्रयास और पार्टनरशिप।

सिंह के मुताबिक किसी भी देश के विकास में रिसर्च एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब तक हम रिसर्च नहीं करते, तब तक हम नई-नई टेक्नोलॉजी को अपना नहीं पाएंगे। आज इकोनामी, पॉलिटिक्स, सोसाइटी, एग्रीकल्चर और कनेक्टिविटी आदि सभी सेक्टर में रिसर्च और टेक्नोलॉजी का समावेश हो चुका है।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि आर एंड डी की जो सबसे महत्वपूर्ण खासियत है, कि यह उन चीजों को रिसोर्स में बदलने की क्षमता रखता है, जिन्हें

आमतौर पर हम अब तक रिसोर्स की दृष्टि से नहीं देखते थे। यूरेनियम का उदाहरण ले लीजिए। जाने कितने हजारों-लाखों साल से यह धरती में पड़ा हुआ था। हो सकता है, यह मानव के हाथ कई बार आया हो, और मानव ने इस सामान्य वस्तु समझ कर छोड़ दिया हो। पर एक बार इसकी खासियत जान लेने के बाद, मानव ने इसको ऐसा इस्तेमाल किया, कि यूरेनियम आज दुनिया भर में बदलाव लाने वाले प्रमुख कारकों में से एक बन गया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज हम देखते हैं, कि भारत में एक अच्छी खासी संख्या में आईआईटी, आईआईएससी, एनआईटी और अन्य विश्वविद्यालय उपलब्ध हैं। इन संस्थाओं में हमें युवाओं की भी एक बहुत बड़ी संख्या देखने को मिलती है। यदि एकेडमिया का जुड़ाव डीआरडीओ के साथ होता है, तब डीआरडीओ को एक साथ कई फील्ड के एक्सपर्ट मिल जाएंगे और एक मल्टीडाइमेंशनल और मल्टीडिसीप्लिनरी अप्रोच के साथ डीआरडीओ आगे बढ़ पाएगा।

गौरतलब है कि डीआरडीओ के पास एक बेहद एडवांस इन्फ्राट्रक्चर है। आज डीआरडीओ के पास लगभग 50 लैब हैं, जो देश के विभिन्न क्षेत्रों में रिसर्च करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे देश में स्टार्टअप की संख्या लगातार बढ़ रही है, और इस प्रकार की पार्टनरशिप हमारे देश में स्टार्टअप कल्चर को और बढ़ाने में मददगार साबित होगी।

बेंगलुर में पिछले 48 घंटों से हो रही बारिश, जनजीवन पूरी तरह से हुआ ठप्प

–तमिलनाडु में बना रहा नया चक्रवात सिस्टम

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में लगातार हो रही बारिश, ओलावृष्टि, आंधी और तेज हवाओं ने सामान्य जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। पिछले 48 घंटों से हो रही बारिश से जहां ट्रैफिक पूरी तरह से ठप्प हो गया है, पेड़ उखड़ गए हैं वहीं सड़कों और घरों में पानी भर गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि बेंगलुरु में अगले 48 घंटों तक तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का अंदेशा है। जहां तक बारिश का सवाल है, तब उसके इस महीने के अंत तक रहने की उम्मीद है. बेंगलुरु के अलावा कर्नाटक के पुराने मैसुरू क्षेत्र में भी मौसम का यही हाल है। मौसम विभाग का कहना है कि पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में एक चक्रवात भी बन रहा है जिसका असर भी कर्नाटक पर पड़ने की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग ने सभी निवासियों को अपने घर के दरवाजे-खिड़की बंद करके घर में रहने की सलाह दी है। साथ ही कहा गया है कि बाहर यात्रा से बचें और अगर वह कहीं बाहर हैं, तब किसी जगह शरण ले लें। लेकिन साथ ही मौसम विभाग ने लोगों को किसी पेड़ के नीचे नहीं रुकने की सख्त निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में शुक्रवार तक कहीं कहीं पर गरज के बारिश होने का अनुमान है। जिससे तापमान के गिरने की भी संभावना है। इसके साथ ही पड़ोसी तमिलनाडु में चक्रवात के चलते बेंगलुरु शहर, बेंगलुरु ग्रामीण, शिमोगा, मांड्या, तुमकुर, रामनगर और कोलार जिले में येलो अलर्ट भी जारी किया गया है. इसके अलावा मौसम विभाग ने दक्षिण कन्नड के तटीय जिले, उडुपी, कोडागु और पहाड़ी क्षेत्रों में चिकमंगलुर और हसन जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं बागलकोट, बेलागावी, बीदर, धारवाड़, गाडग, हावेरी और कलबुर्गी जिले में बारिश होने की आशंका है। कोप्पला, रायचूर, विजयापुर, यादगिरि, चामराजनगर, चिक्काबल्लापुर, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, कोलार, मांड्या, मैसूर, रामनगर, शिमोगा, तुमकुर और विजयनगर जिलों में भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है और मछली पकड़ने को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

कांग्रेस ने मुफ्त बिजली का वादा किया था, कर्नाटक भाजपा सांसद ने कहा- 1 जून से बिल न दें

– चिंताजनक स्तर तक सिकुड़ गए विशाल झीलें एवं जलाशय

नईदिल्ली (एजेंसी)। मैसूर के सांसद और भाजपा नेता प्रताप सिम्हा ने कर्नाटक में सत्ता में आने पर हर घर को मुफ्त बिजली देने के कांग्रेस के वादे का हवाला देते हुए लोगों से 1 जून से बिजली बिल का भुगतान नहीं करने के लिए कहा, अगर उनकी खपत 200 यूनिट से कम थी। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। जब कांग्रेस ने कर्नाटक में 135 सीटें जीतकर भाजपा को बाहर कर दिया और सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तो पार्टी ने अपनी सभी गारंटियों को जल्द ही लागू करने का वादा किया।

अब भाजपा ने नई सरकार को बिना किसी शर्त के योजनाओं को लागू करने के लिए एक जून तक का समय दिया है। अगले माह तक मुफ्त बिजली योजना लागू नहीं हुई तो भाजपा सड़कों पर उतरेगी। भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा ने घोषणा की कि वह मुफ्त बिजली योजना को लागू करने की मांग को लेकर मैसूरु-कोडागु क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर खपत अधिक है तो पहले 200 यूनिट को फ्री माना जाए और केवल अंतर की राशि का भुगतान किया जाए।

मोदी सरकार को मिला बहनजी का साथ, नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर विपक्ष का बहिष्कार अनुचित

–राष्ट्रपति मुर्मू के खिलाफ प्रत्याशी उतरते समय विपक्ष को सोचना था

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करने वाले हैं। हालांकि, 19 विपक्षी दलों ने कार्यक्रम का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। इन दलों की मांग है कि पीएम मोदी की जगह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस भवन का उद्घाटन करे। इस विरोध के बीच मोदी सरकार को बसपा प्रमुख मायावती का साथ मिला है। इस लेकर मायावती ने ट्वीट भी किए हैं। मायावती ने कहा कि केन्द्र में पहले

चाहे कांग्रेस पार्टी की सरकार रही हो या अब वर्तमान में बीजेपी की, बीएसपी ने देश व जनहित निहित मुद्दों पर हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनका समर्थन किया है तथा 28 मई को संसद के नए भवन के उद्घाटन को भी पार्टी इसी संदर्भ में देखकर इसका स्वागत करती है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा नए संसद का उद्घाटन नहीं करने को लेकर बहिष्कार अनुचित है। मोदी सरकार ने नए संसद भवन को बनाया है, इसलिए उसके उद्घाटन का हक है। इस आदिवासी महिला सम्मान से जोड़ना भी अनुचित है। बहनजी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधकर कहा कि यह उन्हें निर्विरोध न चुनकर उनके विरुद्ध उम्मीदवार खड़ा करते वक्त सोचना चाहिए था। उन्होंने कहा कि देश को समर्पित होने वाले कार्यक्रम अर्थात नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण मुझे प्राप्त हुआ है, जिसके लिए आभार और मेरी शुभकामनाएं। किन्तु पार्टी की लगातार जारी समीक्षा बैठकों संबंधी अपनी पूर्व निर्धारित व्यस्तता के कारण मैं उस समारोह में शामिल नहीं हो पाऊंगी।

नितिन गडकरी को धमकी मामले की एनआईए कर रही जांच

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी देने वाले मामले की एनआईए जांच कर रही है। गौरतलब है कि करीब दो सप्ताह पहले गडकरी के नागपुर स्थित आधिकारिक आवास के लैंडलाइन नंबर पर एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने गडकरी से बात करने और उन्हें धमकी देने की बात कही थी। यह पहली बार नहीं था जब नागपुर में गडकरी के कार्यालय को धमकी भरा फोन आया था। इससे पहले जनवरी और मार्च में मंत्री के नागपुर स्थित कार्यालय में भी इसी तरह के फोन आए थे। गडकरी के दिल्ली कार्यालय में भी इसी तरह का फोन आया था, इसके बाद दिल्ली पुलिस को सूचित किया गया था। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। एनआईए की एक टीम के नागपुर स्थित सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय का दौरा करने की संभावना है। हालांकि, जांच एजेंसी ने अभी तक आधिकारिक बयान नहीं दिया है। 9 मई को एनआईए की एक टीम ने गडकरी के नागपुर कार्यालय का दौरा किया था।

दिवालिया होने की कगार पर पहुंचा अमेरिका, अडानी के नेटवर्थ से भी कम पैसा बचा

–अमेरिका के पास 57 अरब डॉलर का कैश बचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों दुनियाभर में यूएस के दिवालिया के बारे में बात हो रही है। क्या अमेरिका किसी बड़े संकट में फंस गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और रिपब्लिकन हाउस के स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने देश की ऋण सीमा को बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए हाल ही में एक बैठक की है। ये बैठक इस बात को लेकर की गई है कि अमेरिकी संघीय सरकार अपने खातों का भुगतान करने के लिए कितना उधार ले सकती है। हालांकि दोनों की बातचीत के बाद अभी तक कोई समझौता नहीं बन पाया है। ऋण सीमा बढ़ाने की संभावित समय सीमा से ठीक 10 दिन पहले ये डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति और रिपब्लिकन स्पीकर के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है।

अमेरिका में डेब्थ सीलिंग का संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर जल्दी समाधान नहीं निकला, तब देश अपने इतिहास में पहली बार डिफॉल्टर बन सकता है। देश के पास केवल 57 अरब डॉलर का कैश रह गया है जो भारतीय कारोबारी गौतम अडानी की नेटवर्थ से भी कम है। ब्लूमबर्ग की बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार अडानी की नेटवर्थ 64.2 अरब डॉलर है। अमेरिका को रोजाना 1.3 अरब डॉलर इंटरेस्ट के रूप में देने पड़ रहे हैं।

गोल्डमैन सैश ने अनुमान जताया है कि अमेरिका अगर अपने कर्ज संकट को खत्म नहीं करता है, तब आने वाले तीन हफ्तों में कैश खत्म हो जाएगा। इंवेस्टमेंट बैंक का कहना है कि 8 या 9 जून तक ट्रेजरी डिपार्टमेंट के पास कैश गिरकर 30 बिलियन डॉलर रह जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने के लिए ये कैश बहुत कम है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com